DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE




# केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
# CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

## कल्याणकारी योजनाओं की पुस्तिका
## (अक्टूबर, 2018 तक संशोधित)
## A BOOKLET ON WELFARE SCHEMES
## (CORRECTED UPTO OCTOBER, 2018)

महानिदेशालय, केरिपुबल
DIRECTORATE, CRPF
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
LODHI ROAD, NEW DELHI-110003

# संदेश

मुझे "सेवारत/सेवानिवृत्त केरिपुबल कार्मिकों एवं केरिपुबल के मृत कार्मिकों के उत्तराधिकारियों को केरिपुबल/सरकारी निधियों से दिए जाने वाले लाभ पर संक्षिप्त संग्रह पुस्तिका को जारी करते हुए अपार हर्ष हो रहा है।

केरिपुबल के अधिकारियों एवं जवानों की दिन–रात तैनाती के कारण समय–समय पर सरकार एवं विभाग द्वारा उनको दी जाने वाली आर्थिक पात्रताओं के बारे में उन्हें बहुत ही कम जानकारी होती है। इसलिए इस बात की आवश्यकता महसूस की गई कि एक ऐसी संक्षिप्त पुस्तिका तैयार की जाए जिसमें केरिपुबल के सभी कार्मिकों को देय लाभों संबंधित अद्यतन जानकारी उपलब्ध हो। यह पुस्तिका सारगर्भित है जिसमें सेवारत/सेवानिवृत्त केरिपुबल कार्मिकों एवं केरिपुबल के मृत कार्मिकों के उत्तराधिकारियों को सरकारी एवं केरिपुबल निधियों से प्रदान किए जाने वाले सभी लाभों को अलग–अलग दर्शाया गया है।

इस कल्याण पुस्तिका को अद्यतन करने के लिए श्री बेन्नी सेबास्टियन, उप-कमांडेंट (कल्याण) एवं महानिदेशालय की कल्याण शाखा के संबंधित स्टॉफ ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया है, जिसके लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

मुझे पूरा विश्वास है कि इस मार्गदर्शक पुस्तिका द्वारा सरकार एवं विभाग द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी पूरी तरह उपलब्ध होगी। इस प्रयास का लाभ तभी सार्थक हो पाएगा जब वृहद् प्रचार के द्वारा सबसे निचले पद के कार्मिक को इसकी जानकारी मिलेगी।

(राजीव राय भटनागर)
महानिदेशक

# अनुक्रमणिका


| अध्याय संख्या | विषय | पृष्ठ सं0 | |
|---|---|---|---|
| | | से | तक |
| 01 | के0रि0पु0बल कर्मचारी शैक्षिक संस्था | 01 | 04 |
| 02 | शिक्षा निधि | 05 | 12 |
| 03 | जोखिम निधि | 13 | 14 |
| 04 | केन्द्रीय कल्याण निधि | 15 | 16 |
| 05 | विशेष राहत कोष | 17 | ..... |
| 06 | कल्याण एवं सुख–सुविधा निधि | 18 | ..... |
| 07 | कार्रवाई के दौरान मारे गए कार्मिकों के उत्तराधिकारियों को के0रि0पु0बल तथा केन्द्र सरकार से देय वित्तीय सहायताओं का विवरण | 19 | 23 |
| 08 | के0रि0पु0बल कार्मिकों को केन्द्र सरकार से मिलने वाले सेवानिवृति लाभ | 24 | 33 |
| 09 | केन्द्रीय सेवाओं में नव नियुक्तों को नई पेंशन योजना के तहत मिलने वाले पेंशन सम्बन्धी लाभ | 34 | 35 |
| 10 | के0रि0पु0बल परिवार कल्याण संस्था (कावा) द्वारा संचालित गतिविधियां | 36 | 41 |
| 11 | मृत्यु/अशक्तता पर राज्यो द्वारा दी जाने वाली अनुग्रह राशि के संबंध में समेकित विवरण | 42 | 56 |
| 12 | विविध | 57 | 64 |
| 13 | जवानों/मृतक कार्मिकों के उत्तराधिकारियों द्वारा आर्थिक योजना बनाना | 65 | 68 |

## अध्याय–01

# के.रि.पु.बल कर्मचारी शैक्षिक संस्था
# (मई 1986 से)

संस्था अधिनियम–1860 की धारा XXI के तहत संस्था पंजीयक, दिल्ली प्रशासन के दिनांक 22/05/1986 के पत्र द्वारा के.रि.पु.बल कर्मचारी शैक्षिक संस्था पंजीकृत है।

**1. अंशदान**

दिनांक 01/01/2009 से रू0 100/– प्रति वर्ष की दर से अंशदान।

**2. के.रि.पु.बल कर्मचारी शैक्षिक संस्था द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान**

**क) विद्यालयों का विवरण**

| क्रमांक | विद्यालय का नाम स्थान सहित | कक्षा | स्वीकृत संख्या | हॉस्टल सुविधा |
|---|---|---|---|---|
| 1 | सी.आर.पी.एफ. पब्लिक स्कूल, रोहिणी | 12वीं | 2249 | उपलब्ध |
| 2 | सी.आर.पी.एफ. पब्लिक स्कूल, द्वारका | 12वीं | 1620 | उपलब्ध नहीं है |
| 3 | सी.आर.पी.एफ. पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर | 12वीं | 1861 | उपलब्ध |

**ख) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और सूचना प्रौद्यौगिकी संस्थानों का विवरण**

**1. <u>के0रि0पु0बल, औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, (आई.टी.सी.) वजीराबाद (स्था.1989)</u>**

| क्रमांक | पाठ्यक्रम | अवधि | स्वीकृत संख्या | हॉस्टल सुविधा |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मोटर मैकेनिक | 2 वर्ष | 63 | उपलब्ध |
| 2 | इलेक्ट्रॉनिक्स | 2 वर्ष | 78 | |
| 3 | इलेक्ट्रीशियन | 2 वर्ष | 63 | |
| 4 | रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग | 2 वर्ष | 78 | |
| **योग** | | | **282** | |

**2 <u>के0रि0पु0बल, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, (आई.टी.आई.) आवडी (स्था.1990)</u>**

| क्रमांक | पाठ्यक्रम | अवधि | स्वीकृत संख्या | हॉस्टल सुविधा |
|---|---|---|---|---|
| 1 | इलेक्ट्रीशियन | 2 वर्ष | 63 | उपलब्ध |
| 2 | मोटर मैकेनिक | 2 वर्ष | 63 | |
| 3 | ऑटोमोबाईल | 1 वर्ष | 25 | |
| 4 | इलेक्ट्रीशियन | 1 वर्ष | 25 | |
| 5 | रेफरिजरेशन एंड एयर कंडीशनर मैकेनिक | 1 वर्ष | 25 | |
| 6 | फिटर | 1 वर्ष | 25 | |
| 7 | प्लम्बर | 1 वर्ष | 25 | |
| **योग** | | | **251** | |

3. **<u>के0रि0पु0बल, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, (आई.टी.आई.) भुवनेश्वर (स्था.1995)</u>**

| क्रमांक | पाठ्यक्रम | अवधि | स्वीकृत संख्या | हॉस्टल सुविधा |
|---|---|---|---|---|
| 1 | सूचना प्रौद्योगिकी एवं सिस्टम मेन्टेनेंस | 2 वर्ष | 42 | उपलब्ध |
| 2 | इलैक्ट्रॉनिक्स | 2 वर्ष | 42 | |
| 3 | इलेक्ट्रीशियन | 2 वर्ष | 42 | |
| 4 | मोटर ड्राइविंग | 3 माह | 64 | |
| **योग** | | | **190** | |

4. **<u>के0रि0पु0बल, सूचना एवं प्रोद्यौगिकी संस्थान (आई.आई.एण्ड टी) वजीराबाद (स्था.1999)</u>**

| क्रमांक | पाठ्यक्रम | अवधि | स्वीकृत संख्या | हॉस्टल सुविधा |
|---|---|---|---|---|
| 1 | ''ओ'' लेवल बेसिक कोर्स | 1 वर्ष | 25 | उपलब्ध |
| 2 | ''ए'' लेवल एडवांस डिप्लोमा | 1 वर्ष | 25 | |
| **योग** | | | **50** | |

## 3. केरिपु.बल कर्मचारी शैक्षिक संस्था निधि से छात्रवृति

1. अशोक चक्र प्राप्तकर्ता श्रीमती कमलेश कुमारी छात्रवृति (2014–15 से) रू0 15000/– की दर से प्रत्येक वर्ष 11वीं कक्षा के (केरिपुबल के बच्चों में से) तीन शीर्षस्थ छात्रों (विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संवर्ग, प्रत्येक से एक को) जो केरिपुबल पब्लिक स्कूल रोहिणी/द्वारका, नई दिल्ली और जवाहर नगर, रंगारेड्डी(तेलंगाना) में 12वीं में लगातार अध्ययनरत हैं, को दी जा रही है।

2. शहीद छात्रवृति योजना (2015–16 से) रू0 2000/– प्रति माह की दर से केरिपुबल के ऐसे कार्मिकों के बच्चों को जिनकी कार्रवाई/सक्रिय ड्यूटी के दौरान मृत्यु हुई है या 100 प्रतिशत अशक्त हुए हों और उनके बच्चे केरिपुबल पब्लिक स्कूल में अध्ययनरत हैं, को दी जा रही है ।

******

## अध्याय–02

## शिक्षा निधि

## (जनवरी, 1979 से)

केरिपुबल के आश्रितों को छात्रवृति और आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए दिनांक 01/01/1979 से शिक्षा निधि की शुरूआत की गई।

**1. अंशदान**

दिनांक 01/01/2013 से वार्षिक अंशदान की दरें इस प्रकार है :–

| | |
|---|---|
| अन्य रैंक | रू0 400/– |
| अधीनस्थ अधिकारी | रू0 600/– |
| राजपत्रित अधिकारी | रू0 800/– |

(प्रत्येक वर्ष जनवरी और सितम्बर माह के वेतन से दो समान किस्तों में कटौती की जाती है।)

**2. शिक्षा निधि से शैक्षणिक सहायता**

**क) (i) शैक्षणिक सहायता :–**केवल पहले दो बच्चे छात्रवृति का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र है।

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | स्कूल स्तर | कक्षा 2 से 5 | रू0 600/– प्रति वर्ष |
| | | कक्षा 6 से 8 | रू0 800/– प्रति वर्ष |
| | | कक्षा 9 से 12 | रू0 2,000/– प्रति वर्ष |
| (ii) | कॉलेज स्तर | कला/वाणिज्य वर्ग | रू0 2,500/– प्रति वर्ष |
| | | विज्ञान वर्ग | रू0 3,000/– प्रति वर्ष |
| (iii) | तकनीकी पाठ्यक्रम वर्ग–'क' | राजपत्रित अधिकारियों के लिए | रू0 18,000/– प्रति वर्ष |
| | | अधीनस्थ अधिकारियों के लिए | रू0 28,800/– प्रति वर्ष |
| | | अन्य रैंकों के लिए | रू0 36,000/– प्रति वर्ष |
| (iv) | व्यावसायिक पाठ्यक्रम वर्ग–'ख' | राजपत्रित अधिकारियों के लिए | रू0 5,000/– प्रति वर्ष |
| | | अधीनस्थ अधिकारियों के लिए | रू0 6,500/– प्रति वर्ष |
| | | अन्य रैंकों के लिए | रू0 8,000/– प्रति वर्ष |

(ii) इकलौती कन्या हेतु शैक्षिक सहायता

इकलौती कन्या के मामलों में कक्षा 5 से आगे की छात्रवृति सामान्य दर से दुगनी दी जाएगी।

(iii) बल के कार्मिकों के दिव्यांग बच्चों को शैक्षिक सहायता
बल के कार्मिकों के दिव्यांग बच्चों के मामलों में कक्षा 2 से आगे शैक्षिक सहायता सामान्य दर से दुगनी दी जाएगी।

(iv) बल के शहीदों तथा सक्रिय ड्यूटी के दौरान 100 % अशक्त होने एवं बाद में सेवा से इस आधार पर सेवामुक्त किए गए कार्मिकों के बच्चों को शैक्षणिक सत्र 2015–16 से स्नातक स्तर तक सामान्य दर से शैक्षिक सहायता प्रदान करना प्रारंभ किया है।

(v) शैक्षणिक सत्र 2017–18 से बल के सभी मृतक कार्मिकों के 10वीं कक्षा तक के बच्चों (शहीदों को छोड़कर) को शिक्षा निधि से दी जाने वाली शैक्षिक सहायता की दर को दुगना कर दिया गया है।

ख) ऐसे 400 (बल के सदस्यों के) बच्चों को जिन्होंने 10वीं कक्षा में 90 प्रतिशत या अधिक अंक अर्जित किए हैं, प्रत्येक को रू0 5,000/–का विशेष नकद पुरस्कार।

ग) बल के कार्मिकों के बच्चों को 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में 85 से 90 प्रतिशत तक को रू0 5000/–, 90 से 95 प्रतिशत को रू0 10,000/– और 95 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने पर रू0 15,000/– के विशेष नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

## 3. अन्य छात्रवृत्तियां

### (i) प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना

तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीएपीएफ कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रधानमंत्री छात्रवृति योजना के तहत छात्राओं को प्रति वर्ष रू0 27000/– और छात्रों को रू0 24000/– की राशि प्रदान की जाती है। यह राशि सूबेदार मेजर/निरीक्षक तक के पदो के कार्मिकों के लिए लागू है। निम्नलिखित वर्ग छात्रवृति के पात्र हैः–

| | | |
|---|---|---|
| I | वर्ग–ए | कार्रवाई में मारे गए सी.ए.पी.एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के बच्चे/विधवाएं। |
| II | वर्ग–बी | कार्रवाई में अशक्त हुए सी.ए.पी.एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के बच्चे/विधवाएं। |
| III | वर्ग–सी | सरकारी सेवा के निष्पादन सहित चुनाव कराने के दौरान मृत्यु को प्राप्त हुए सी.ए.पी.एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के बच्चे/विधवाएं। |
| IV | वर्ग–डी | सरकारी सेवा के दौरान अशक्त हुए भूतपूर्व सी.ए.पी. एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के बच्चे/विधवाएं। |
| V | वर्ग–ई | वीरता पदक प्राप्त भूतपूर्व सी.ए.पी.एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के बच्चे। |
| VI | वर्ग–एफ | भूतपूर्व सी.ए.पी.एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के बच्चे (अधिकारी से निचले स्तर के कार्मिक)। |
| VII | वर्ग–जी | छात्रवृति उपलब्ध होने की दशा में, सेवारत सी.ए.पी. एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के बच्चे (अधिकारी से निचले स्तर के कार्मिक) |

## (ii) पुलिस स्मृति फण्ड छात्रवृत्ति योजना

यह योजना बर्ष 1982 से आरंभ हुई है । डयूटी के दौरान मृत हुए कार्मिकों के बच्चे जो एम.बी.बी.एस., बीई., बी.टेक, एम.बी.ए, एम.सी.ए. इत्यादि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत है, को रू0 15000/– प्रतिवर्ष और अन्य विभिन्न नियमित सामान्य विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों जैसे एम.एस.सी., एम.कॉम., एम.ए., बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम. इत्यादि मे अध्ययनरत हैं को रू0 5000/– प्रतिवर्ष प्रदान की जाती है ।

## (iii) विद्या रक्षक छात्रवृत्ति

यह छात्रवृति शैक्षिक सत्र 2014–15 से सरोजिनी दामोदर फॉउंडेशन (एस.डी.एफ.) द्वारा गृह मंत्रालय के मार्फत आरंभ की गई। कार्रवाई में मारे गए या अशक्त हुए अर्द्धसैनिक बलों के कार्मिकों के बच्चों को प्राथमिकता के क्रम में यह छात्रवृति प्रदान की जाती है।

| | | |
|---|---|---|
| 1 | कक्षा 1 से 4 तक में पढ़ने वाले बच्चे | रू0 6000/– प्रति वर्ष |
| 2 | कक्षा 5 से 7 तक में पढ़ने वाले बच्चे | रू0 9000/– प्रति वर्ष |
| 3 | कक्षा 8 से 12 तक में पढ़ने वाले बच्चे | रू0 12000/– प्रति वर्ष |

छात्रवृति के लिए निम्नलिखित श्रेणियां पात्र हैः–

| | |
|---|---|
| i) | सरकारी सेवा के निष्पादन के दौरान मृत हुए सी.ए.पी.एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के आश्रित/बच्चे। |
| ii) | सरकारी सेवा के निष्पादन के दौरान स्थाई रूप से अशक्त हुए सी.ए.पी.एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के आश्रित/बच्चे। |
| iii) | सरकारी सेवा से बोर्ड ऑउट हुए सी.ए.पी.एफ एवं ए.आर. कार्मिकों के आश्रित/बच्चे। |

**(iv) श्रवण टण्डन छात्रवृत्ति :–**दिनांक 01/04/2016 से आरंभ की गई।

I) केरिपुबल के शहीदों के 12 वीं कक्षा के विज्ञान, कृषि, वाणिज्य तथा कला संकाय के 3 टॉपर विद्यार्थियों को निम्नलिखित विवरणानुसार छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है:–

| क्रम संख्या | कक्षा, छात्रवृति की दर तथा संकाय/श्रेणी | राशि की गणना |
|---|---|---|
| 01 | 12 वीं कक्षा के 4 संकायों (विज्ञान, कृषि, वाणिज्य तथा कला) में प्रत्येक संकाय के 3 टॉपर विद्यार्थियों को रूपये 6,000/– की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। | @ 6000 X 3 X 4= रू0 72,000/- |

ii) 12वीं कक्षा में किसी भी संकाय में यदि शहीदों की किसी छात्रा टॉपर को मैरिट लिस्ट में स्थान नहीं मिलता है तो छात्राओं के लिए विशेष तौर पर छात्रवृत्ति को अन्य श्रेणी में शामिल किया जाएगा तथा छात्रवृत्ति की श्रेणियां निम्नानुसार होगी :–

टॉपर के लिए छात्रवृत्ति

| क्रम संख्या | कक्षा, छात्रवृति की दर तथा संकाय/श्रेणी | राशि की गणना |
|---|---|---|
| 01 | 12 वीं कक्षा के 4 संकायों (विज्ञान, कृषि, वाणिज्य तथा कला) में प्रत्येक संकाय के 3 टॉपर विद्यार्थियों को रूपये 5,000/– की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। | @ 5000 X 3 X 4 = रू0 60,000/- |

बालिकाओं के लिए छात्रवृत्ति

| क्रम संख्या | कक्षा, छात्रवृति की दर तथा संकाय/श्रेणी | राशि की गणना |
|---|---|---|
| 01 | 12 वीं कक्षा के केवल विज्ञान संकाय में 3 टॉपर विद्यार्थियों को रूपये 5,000/– की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। | @ 5000 X 3 X 1=15,000/- |

**नोट :–** (i) अधीनस्थ अधिकारियों (SOs) तथा अन्य रैंकों (ORs) (शहीदों) के बच्चे ही पात्र होंगे। यदि उक्त अनुसार किसी भी श्रेणी में शहीदो के बच्चे पात्र नहीं पाये जाते है और स्थान रिक्त रह जाते है तो केरिपुबल के ड्यूटी के दौरान मृतक कार्मिकों के बच्चों पर विचार किया जायेगा।

(ii) सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी इसके लिए पात्र नहीं होंगे।

4) मांटेसरी स्कूल का विवरण

बच्चों के नियमित कक्षाओं में दाखिले हेतु तैयारी के लिए वर्तमान में निम्नलिखित 53 स्थानों पर मांटेसरी स्कूल स्थापित हैं:–

| क्र0 सं0 | स्थान | क्र0 सं0 | स्थान | क्र0 सं0 | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, रामपुर | 06 | ग्रुप केन्द्र–प्रथम, केरिपुबल, अजमेर | 11 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, इंफाल |
| 02 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, आवड़ी | 07 | ग्रुप केन्द्र–द्वितीय, केरिपुबल, अजमेर | 12 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, दुर्गापुर |
| 03 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, नीमच | 08 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, बैंगलोर | 13 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, सिलचर |
| 04 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, इलाहाबाद | 09 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, पल्लीपुरम | 14 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, भुवनेश्वर |
| 05 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, नागपुर | 10 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, पुणे | 15 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, मोकामाघाट |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 16 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, सिलिगुड़ी | 30 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, लखनऊ | 44 | 102 बटालियन, आर.ए.एफ. |
| 17 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, खटखटी | 31 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, गुवाहाटी | 45 | 104 बटालियन, आर.ए.एफ. |
| 18 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, बनतालाब | 32 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, जालंधर | 46 | 105 बटालियन, आर.ए.एफ. |
| 19 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, नई दिल्ली | 33 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, बिलासपुर | 47 | 107 बटालियन, आर.ए.एफ. |
| 20 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, पिंजौर | 34 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, हैलोमाजरा, चंडीगढ़ | 48 | 108 बटालियन, आर.ए.एफ. |
| 21 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, सोनीपत | 35 | सी.टी.सी–तीन, केरिपुबल, नांदेड़ | 49 | 201 और 204 कोबरा बटालियन |
| 22 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, भोपाल | 36 | सी.टी.सी., केरिपुबल, कोयंबटूर | 50 | 202 कोबरा बटालियन |
| 23 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, नोयडा | 37 | सी.टी.सी.(टी.एंड आई. टी) केरिपुबल, रांची | 51 | 203 कोबरा बटालियन |
| 24 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, ग्वालियर | 38 | सी.आई.ए.टी. शिवपुरी | 52 | 205 कोबरा बटालियन |
| 25 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, मुजफ्फरपुर | 39 | रंगरूट प्रशिक्षण संस्थान, श्रीनगर | 53 | 207 कोबरा बटालियन |
| 26 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, अगरतला | 40 | रंगरूट प्रशिक्षण संस्थान – तीन , पेरिंगम | 54 | 209 कोबरा बटालियन |
| 27 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, हैदराबाद | 41 | एस.डी.जी, केरिपुबल, नई दिल्ली | 55 | 210 कोबरा बटालियन |
| 28 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, रंग्गारेडी | 42 | 100 बटालियन, आर. ए.एफ. | | |
| 29 | ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, गांधीनगर | 43 | 101 बटालियन, आर. ए.एफ. | | |

मांटेसरी स्कूल के लिए प्रारंभिक अनुदान– रूपये 50,000/–(शिक्षा निधि में से)

## 5) विभिन्न ग्रुप केन्द्रों/संस्थानों में संचालित केन्द्रीय विद्यालयों का विवरण :–

बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए निम्नलिखित 29 स्थानों पर केन्द्रीय विद्यालय संचालित किए जा रहें हैः–

| क्रम सं0 | केरिपुबल, ग्रुप केन्द्रो संस्थानों में केन्द्रीय विद्यालय | क्रम संख्या | केरिपुबल, ग्रुप केन्द्रों /संस्थानों में केन्द्रीय विद्यालय |
|---|---|---|---|
| 01 | ग्रुप केन्द्र– प्रथम अजमेर | 16 | ग्रुप केन्द्र नीमच |
| 02 | ग्रुप केन्द्र– द्वितीय अजमेर | 17 | ग्रुप केन्द्र नई दिल्ली |
| 03 | ग्रुप केन्द्र आवड़ी | 18 | ग्रुप केन्द्र पल्लीपुरम |
| 04 | ग्रुप केन्द्र बनतालाब | 19 | ग्रुप केन्द्र पिंजौर |
| 05 | ग्रुप केन्द्र बैंगलोर | 20 | ग्रुप केन्द्र रामपुर |
| 06 | ग्रुप केन्द्र भुवनेश्वर | 21 | केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान(टी.एंड आई.टी) रांची |
| 07 | ग्रुप केन्द्र दुर्गापुर | 22 | ग्रुप केन्द्र भोपाल |
| 08 | ग्रुप केन्द्र गांधीनगर | 23 | ग्रुप केन्द्र पुणे |
| 09 | ग्रुप केन्द्र गुवाहाटी | 24 | ग्रुप केन्द्र जालंधर |
| 10 | ग्रुप केन्द्र हैदराबाद | 25 | ग्रुप केन्द्र इलाहाबाद |
| 11 | ग्रुप केन्द्र इम्फाल | 26 | रंगरूट प्रशिक्षण संस्थान–तीन , पेरिंगम |
| 12 | ग्रुप केन्द्र खटखटी | 27 | ग्रुप केन्द्र अगरतला |
| 13 | ग्रुप केन्द्र लखनऊ | 28 | ग्रुप केन्द्र मुजफ्फरपुर |
| 14 | ग्रुप केन्द्र मोकामाघाट | 29 | 78 बटालियन / पुलिस उप महानिरीक्षक(परिचालन) कोहिमा |
| 15 | ग्रुप केन्द्र नागपुर | | |

*****

## अध्याय–03

## जोखिम निधि
## (मार्च, 1981 से)

बल के सेवारत कार्मिकों से अंशदान के साथ जोखिम निधि मार्च 1981 से शुरू की गई है।

### 1. अंशदान

दिनांक 01/03/2018 से बल के सभी कार्मिको से मासिक अंशदान रू0 500/–प्रति माह।

### 2. वर्तमान मे दी जाने वाली सहायता का विवरण

### (क) मृत्यु के मामले में

| दिनांक 01/04/2014 से संशोधित दरें | | | |
|---|---|---|---|
| **मृत्यु का कारण** | **राशि** | **उत्तराधिकारी** | **माता–पिता** |
| कार्रवाई के दौरान मृत्यु | रू0 20,00,000/– | रू0 14,00,000/– | रू0 6,00,000/– |
| मस्तिष्क ज्वर से मृत्यु होने पर | रू0 20,00,000/– | रू0 14,00,000/– | रू0 6,00,000/– |
| दिनांक 01/01/2016 से संशोधित दरें | | | |
| अन्य मृत्यु | रू0 12,00,000/– | रू0 7,00,000/– | रू0 5,00,000/– |

**ख) अशक्तता पर**

| दिनांक 07/03/2017 से संशोधित दरें | | |
|---|---|---|
| **क्रम संख्या** | **अशक्तता का प्रतिशत** | **राशि** |
| 01 | 01 से 50 प्रतिशत | 10 लाख |
| 02 | 51 से 75 प्रतिशत | 15 लाख |
| 03 | 76 से 100 प्रतिशत | 20 लाख |

**(ग) अधिवर्षिता /स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति/बर्खास्त/पदच्युत/सेवा से हटाये जाने इत्यादि पर :–**

| क्रम संख्या | विवरण | राशि (01/03/2018 से ) |
|---|---|---|
| 01 | 20 वर्ष से कम की अवधि के अंशदान पर जोखिम निधि के लाभ | कुल अंशदान 25 प्रतिशत बोनस |
| 02 | 20 वर्ष से अधिक तथा 30 वर्ष से कम | कुल अंशदान 70 प्रतिशत बोनस |
| 03 | 30 वर्ष और अधिक | कुल अंशदान 125 प्रतिशत बोनस |

**(घ) कृत्रिम अंग**

कार्रवाई के दौरान अपने अंग गंवाने वाले कार्मिकों को अच्छी किस्म के कृत्रिम अंग लगाने हेतु सरकारी अनुदान से अधिक व्यय होने पर अन्तर राशि प्रदान करना।

*****

## अध्याय–04

## केन्द्रीय कल्याण निधि
## (अगस्त,1969 से)

### 1. अंशदान

दिनांक 01/01/2013 से अंशदान की दरें प्रति माह निम्नलिखित प्रकार होंगी :–

| पद | अंशदान |
|---|---|
| उप महानिरीक्षक से महानिदेशक | 100 |
| सहायक कमांडेंट से कमांडेंट | 80 |
| सहायक उप निरीक्षक से सूबेदार मेजर | 50 |
| सिपाही से हवलदार | 30 |

### i) केन्द्रीय कल्याण निधि से आर्थिक सहायता :

(क) मृत्यु के मामले में : रूपये 1,50,000/–(दिनांक 01/03/2018 से )

रूपये 30,000/–तत्कालिक वित्तीय सहायता
(दिनांक 01/01/2016 से )

(ख) अशक्तता के मामले में (दिनांक 01/01/2014से)

01 से 50 प्रतिशत रूपये 35,000/–

51 से 75 प्रतिशत रूपये 60,000/–

76 से 100 प्रतिशत रूपये 1,00,000/–

ग) निम्नलिखित श्रेणियों के अनुसार ऑपरेशन/ड्यूटी के दौरान घायल होने पर: (दिनांक 01/03/2016 से )

| क्रम संख्या | श्रेणी | चोट के प्रकार | वित्तीय सहायता |
|---|---|---|---|
| 1 | ''क'' | पत्थरबाजी/कानून एवं व्यवस्था संबंधी ड्यूटी, बचाव एवं राहत कार्य के दौरान आई चोंटे अथवा ऑपरेशन में घायल होने पर हल्की चोंटो के लिए चिकित्सा सहायता हेतु। | रूपये 4,000/– (प्रत्येक घायल कार्मिक को) |
| 2 | ''ख'' | पत्थरबाजी/कानून एवं व्यवस्था संबंधी ड्यूटी, बचाव एवं राहत कार्य के दौरान आई चोंटे अथवा ऑपरेशन में आई गम्भीर चोटों के ईलाज हेतु अस्पताल में भर्ती होने अथवा हड्डी टूटने/टांके लगाने इत्यादि के लिए। | रूपये 25,000/– (प्रत्येक घायल कार्मिक को) |
| 3 | ''ग'' | ऑपरेशन के दौरान गोली लगने/ स्पलिंटर/विस्फोट से गम्भीर रूप से घायल होने पर 2 सप्ताह से अधिक की अवधि तक अस्पताल में भर्ती रहें हो किंतु स्थायी रूप से अशक्तता नहीं होने पर । | रूपये 50,000/– (प्रत्येक घायल कार्मिक को) |
| 4 | ''घ'' | ऑपरेशन के दौरान गम्भीर रूप से घायल होने के कारण अस्पताल में भर्ती होने तथा स्थायी रूप से अशक्त होने पर | रूपये 100,000/– (प्रत्येक घायल कार्मिक को) अन्य भुगतान से समायोजित नहीं किया जाए। |

घ) बल के शहीद तथा सेवा के दौरान मृतक कार्मिकों की पुत्रियों एवं बहनों को उनके विवाह के समय रू0 50,000/-मात्र की वित्तीय सहायता ।

*****

## अध्याय–05

## विशेष राहत कोष

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय रक्षा कोष से स्वीकृत अनुदान से प्राप्त राशि से इस महानिदेशालय में ''विशेष राहत कोष'' बनाया गया है। सरकार से प्राप्त अनुदान को राष्ट्रीयकृत बैकों में सावधि जमा के रूप में निवेश किया गया है तथा इससे प्राप्त ब्याज से बल के सेवानिवृत्त कार्मिकों तथा उनकी पत्नी /पति को इलाज हेतु सहायता राशि दी जाती है।

2. गृह मंत्रालय से प्राप्त दिशा–निर्देशों के मुताबिक जमा धनराशि को बरकरार रखा जायेगा तथा प्राप्त ब्याज को विशेष राहत कोष की कैश बुक में अलग से रखा जायेगा जिससे सेवानिवृत्त कार्मिकों तथा उनकी पत्नी/पति को जीवन में एक बार गम्भीर बीमारी **जैसे कि कैंसर, ट्यूमर, रेनल डिजिज, किडनी प्रत्यारोपण, हृदय संबंधी बीमारी, लीवर प्रत्यारोपण में** अधिकतम रूपये 50,000/– की वित्तीय सहायता चिकित्सा हेतु उपलब्ध करायी जायेगी।

3. निधि की शासी निकाय ने यह निर्णय लिया है कि समिति वित्तीय सहायता प्रदान करने संबंधी मामलों की जांच करेंगी तथा उपयुक्त निर्णय लेगी। तदनुसार, निम्नलिखित सदस्यों की एक स्थायी समिति गठित की गई है :–

| | | |
|---|---|---|
| पीठासीन अधिकारी | : | अपर महानिदेशक(मुख्या0) |
| सदस्य – I | : | महानिरीक्षक (प्रशा0) |
| सदस्य – II | : | वित्तीय सलाहकार, केरिपुबल |
| सदस्य – III | : | निदेशक (चिकित्सा) |
| सदस्य सचिव | : | उप महानिरीक्षक (कल्याण) |

*****

## अध्याय–06

## कल्याण एवं सुख–सुविधा निधि

संबंधित यूनिटों/कार्यालयों में तैनात गैर–वर्दीधारी मंत्रालयिक /अस्पतालीय स्टाफ सहित सभी सदस्यों को इस निधि से निम्नलिखित लाभ दिए जाते हैं:–

(क) सदस्यों के कल्याण हेतु होने वाली खरीद अथवा उनके मनोरंजन पर होने वाले खर्च को वहन करने हेतु।

(ख) कल्याण समिति द्वारा किए गए अनुमोदन के अनुसार धार्मिक कार्यक्रमों/रेजिमेंटल कार्यक्रमों/राष्ट्रीय त्यौहारों को मनाने पर होने वाले न्यूनतम खर्च के वहन हेतु।

(ग) सभी रैंकों के सदस्यों को पूरे सेवाकाल के दौरान दो बार मिलने वाले चश्में के प्रभार के रूप में रूपये 1500/– के खर्च के वहन हेतु ।

(घ) मृत्यु के मामले में कल्याण निधि से तत्कालिक राहत के रूप में रूपये 20,000/– की आर्थिक सहायता हेतु।

(1) कल्याण निधि की अंशदान दरें

| पद | अंशदान (प.म.) |
|---|---|
| उ.म.नि. से महानिदेशक | 180 |
| द्वि.क.अ. से कमांडेंट | 150 |
| उप. कमांडेंट | 120 |
| निरी. से सहा कमांडेंट | 90 |
| हव. से उ.नि. | 60 |
| सिपाही | 30 |

*****

## अध्याय–07

## कार्रवाई में शहीद कार्मिकों के उत्तराधिकारियों को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल और केन्द्र सरकार से प्राप्त होने वाली वित्तीय सहायताओ का विवरण

| | | | |
|---|---|---|---|
| (क) | उदारीकृत पेन्शन अवॉर्ड (लिबरलाइज्ड पेंशनरी अवार्ड) (एल.पी.ए.) | अंतिम आहरित परिलब्धियों के बराबर राशि | जीवन भर या विधवा के पुनर्विवाह तक। |
| (ख) | अनुग्रह राशि (केन्द्रीय) | i) रूपये 45 लाख | युद्ध में दुश्मन की कार्रवाई या ऐसे युद्ध जैसी स्थिति में होने वाली मृत्यु, जिन्हें विशेष रूप से रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया हो और विदेश में युद्ध–ग्रस्त क्षेत्र से भारतीय नागरिकों को निकालने के दौरान होने वाली मृत्यु । |
| | | ii) रूपये 35 लाख | मौसम की प्रतिकूल स्थिति में प्राकृतिक आपदाओं इत्यादि के कारण अत्यधिक ऊंचाई, दुर्गम/अगम्य सीमा चौकियों पर कर्तव्य के दौरान होने वाली मृत्यु, और सीमाओं पर झड़प/मुठभेड़ और आतंकवादियों, उग्रवादियों, चरमपंथियों, समुद्री डाकूओं/लुटेरों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान होने वाली मृत्यु । |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | iii) रूपये 25 लाख | कर्तव्यों के निष्पादन के दौरान दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु, आतंकवादी, समाज विरोधी तत्वों आदि द्वारा हिंसा के कृत्यों के कारण कर्तव्यों के निष्पादन के दौरान होने वाली मृत्यु । |
| (ग) | अनुग्रह राशि (राज्य) | पात्रता के अनुसार | इस पुस्तिका के **अध्याय–11** में विवरण दर्शाया गया है। |
| (घ) | मृत्यु सह सेवानिवृत्ति उपदान(डी.सी. आर.जी.) | i) एक वर्ष से कम सेवा। | मासिक परिलब्धियों का दो गुना । |
| | | ii) एक वर्ष या उससे अधिक परन्तु पांच वर्ष से कम सेवा। | मासिक परिलब्धियों का छः गुना । |
| | | iii) पांच वर्ष या उससे अधिक परन्तु 11 वर्ष से कम सेवा। | मासिक परिलब्धियों का बारह गुना । |
| | | iv) 11 वर्ष या उससे अधिक परन्तु 20 वर्ष से कम सेवा। | मासिक परिलब्धियों का बीस गुना । |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | v) 20 वर्ष या उससे अधिक । | प्रत्येक पूर्ण छः माह की अर्हक सेवा अवधि के लिए आधे माह की परिलब्धियां, बशर्ते परिलब्धियों के अधिकतम 33 गुना तक। |
| (ड) | अवकाश नकदीकरण | खाते में जमा अर्जित अवकाश (अधिकतम 300 दिन) | अंतिम मूल वेतन तथा मंहगाई भत्ता । |
| (च) | सामान्य भविष्य निधि (जी.पी.एफ.) | खाते में जमा राशि सेवा निवृत्ति/छोड़ने की तारीख को देय ब्याज की राशि। | –– |
| (छ) | जमा सम्बद्ध बीमा (डी.एल.आई.) | सामान्य भविष्य निधि में अंतिम 36 माह की औसत शेष राशि के बराबर राशि, अधिकतम रू0 60,000/– | 05 वर्ष की निरंतर सेवा पूर्ण होने के बाद। |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (ज) | सी.जी.ई.जी.आई.एस.(केंद्र सरकार कर्मचारी समूह बीमा योजना) जनवरी'1990 से प्रभावी | ग्रुप–'ए' | 1,20,000/– | खाते में जमा अंशदान एवं ब्याज |
| | | ग्रुप–'बी' | 60,000/– | |
| | | ग्रुप–'सी' | 30,000/– | यथोपरि |
| | | | | यथोपरि |
| (झ) | जोखिम निधि | रूपये 20 लाख (उत्तराधिकारी : रू0 14 लाख) (माता–पिता : 06 लाख) | | सभी पदों के लिए |
| (ञ) | केन्द्रीय कल्याण निधि | रूपये 1,50,000/– | | सभी पदों के लिए |
| (ट) | कल्याण निधि(यूनिट/ग्रुप केन्द्र/कार्यालय) एवं केन्द्रीय कल्याण निधि | रू.50,000/– (केन्द्रीय कल्याण निधि से रू. 30,000/– एवं बटा0 कल्याण निधि से रू. 20,000) | | यूनिट/ग्रुप केन्द्र/कार्यालय से तत्काल वित्तीय सहायता । |
| (ठ) | चिकित्सा भत्ता | *रू 1,000/– प्रति माह | | जीवन भर के लिए। |
| * नोटः– पेन्शनभोगी जो केन्द्र सरकार स्वास्थ्य योजना(सी.जी.एच.एस.) क्षेत्रों के अंतर्गत नहीं आते हैं, वे केवल निर्धारित चिकित्सा भत्ते के रूप में रू0 1,000/– के हकदार/पात्र हैं । | | | | |

शहीदों के परिजनों को रू0 एक करोड की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी । सभी स्रोतों को मिलाकर वित्तीय सहायता की राशि रू0 एक करोड से कम होने की दशा में उसकी अंतर राशि "**भारत के वीर**" संग्रह निधि से भुगतान की जाएगी।

## अर्ध सैनिक वेतन पैकेज (पी.एम.एस.पी.) खाता

बल के कर्मियों को पीएमएसपी खाते के लाभों का ब्यौरा जो मृत्यु के मामलों में आकस्मिक/दुर्घटना बीमा के तहत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा दी जा रही है, का विवरण निम्नानुसार है :–

| क्र. सं. | बीमा का प्रकार | भिन्नता /वेरियंट (रूपये लाखों में) | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | रजत/ सिल्बर | स्वर्ण/ गोल्ड | हीरक/ डॉयमंड | प्लेटिनम |
| 1 | वेतन पैकेज खातों के लिए मानार्थ (कॉम्पलीमेन्टरी) व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (मृत्यु) कवर। | 5 लाख | 5 लाख | 15 लाख | 20 लाख |
| 2 | मानार्थ हवाई दुर्घटना बीमा (मृत्यु) शमिल है । (केवल तभी जब बैंक डेबिट कार्ड / इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग कर वेतन पैकेज खाते में डेबिट द्वारा हवाई टिकट खरीदे गए हों) | लागू नहीं | 05 लाख | 20 लाख | 30 लाख |

*****

## अध्याय–08

# केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कार्मिकों को केन्द्र सरकार से मिलने वाले सेवा–निवृत्ति लाभ

## (31/12/2003 तक नियुक्त कार्मिकों के लिए लागू)

### 01. पेन्शन

(क) पेन्शन : अंतिम 10 माह की औसत परिलब्धियों का 50 प्रतिशत या अंतिम मूल वेतन का 50 प्रतिशत, जो भी उनके लिए लाभदायक हो, बशर्ते न्यूनतम पेंशन रू. 9,000 हो । पेन्शन की गणना निम्नानुसार है :–

अंतिम 10 माह की औसत परिलब्धियां :–

**उदाहरण** – सेवानिवृत्ति की तारीख : 31/12/2017
अर्हक सेवा : 33 वर्ष
औसत परिलब्धियां : 37,000/–

पेन्शन :– $\frac{37,000 \times 50}{100}$ = 18,500/– प्रति माह (वर्तमान में)

(ख) **इनवेलिडेशन पेन्शन** : सरकारी डयूटी के आरोप्य नहीं होने पर अशक्त होने वाले कार्मिक श्रेणी–ए के अंतर्गत आते हैं और वे मूल वेतन के 50 प्रतिशत के लिए हकदार/पात्र हैं, बशर्ते पेन्शन न्यूनतम रू0 9,000/– प्रति माह से कम न हो ।

उदाहरण –लागू पेन्शनः– $\frac{39,200 \times 50}{100}$ = 19,600 प्रतिमाह

ग) **अशक्तता पेंशन (डिसएबिलटी पेंशन)–** डिसएबिलिटी पेंशन निम्नानुसार उल्लिखित श्रेणियों के तहत देय/लागू है, न्यूनतम रू0 18,000/–प्रति माह। अशक्तता की सीमा निम्नलिखित तरीके से निर्धारित की जाएगी : –

| मेडिकल बोर्ड द्वारा आंकी गई अशक्तता का प्रतिशत | अशक्तता घटक की गणना करने के लिए माना जाने वाला प्रतिशत |
|---|---|
| 50 % तक | 50 |
| 50 % से अधिक और 75 % तक | 75 |
| 75 % से अधिक और 100 % तक | 100 |

i) **'बी' और 'सी' श्रेणियों के लिए:–**

**ए)** 100 प्रतिशत् अशक्तता के लिए 01.01.2016 को कल्पित वेतन (नोशनल पे) के 50 प्रतिशत् के बराबर सेवा घटक एवं अपंगता घटक के कल्पित वेतन (नोशनल पे) के 30 प्रतिशत के बराबर, इन दोनों को मिलाकर अशक्तता पेंशन होगी।

**बी)** 100 प्रतिशत् से कम अशक्तता के लिए अशक्तता घटक आनुपातिक रूप से कम किया जाएगा।

**उदाहरण – i)** 100 प्रतिशत् अशक्तता के लिए अशक्तता पेंशन :–

**(सेवा घटक + अशक्तता घटक)**

- सेवा घटक(सर्विस एलीमेन्ट) = अंतिम मूल वेतन का 50 प्रतिशत् (अर्थात् 39,200 x 50 / 100 = 19,600/-)
- अशक्तता घटक : 100 प्रतिशत् अशक्तता के लिए अंतिम मूल वेतन का 30 प्रतिशत् (अर्थात् 39,200 x 30 / 100 = 11,760/-)

अशक्तता पेंशन = रू0 19,600/– + रू0 11,760/-
= रू0 31,360/– प्रतिमाह

ii) **'डी' श्रेणी के लिए :–**

**क)** 01.01.2016 को कल्पित वेतन (नोशनल पे) के 50 प्रतिशत् के बराबर सेवा घटक (सर्विस एलीमेंट) और अशक्तता घटक सामान्य पारिवारिक पेंशन की राशि (अर्थात् 100 प्रतिशत अशक्तता के लिए अंतिम मूल वेतन का 30 प्रतिशत्) के बराबर, इन दोनों को मिलाकर अशक्तता पेंशन होगी।

**ख**) निम्नतम प्रतिशत् अशक्तता के लिए, अशक्तता घटक आनुपातिक रूप से कम किया जाएगा ।

iii) **'ई' श्रेणी के लिए :–**

**क)** 100 प्रतिशत अशक्तता के लिए सेवा घटक में 01/01/2016 को कल्पित वेतन (नोशनल पे) के 50 % के बराबर एवं अपंगता घटक हेतु 01/01/2016 के वही सामान्य वेतन के बराबर, इन दोनों को मिलाकर अशक्तता पेंशन होगी।

**ख)** निम्नतम प्रतिशत् अशक्तता के लिए अशक्तता घटक आनुपातिक रूप से कम किया जाएगा ।

घ) **मृत्यु होने पर परिवारिक पेन्शन ( कार्रवाई में मारे गए):–** उदारीकृत पेंशन अवार्ड (एलपीए)– निकटत्म संबंधी को अंतिम आहरित वेतन का 100 प्रतिशत्। विधवा के पुनर्विवाह के मामले में जीवन भर सामान्य पारिवारिक पेंशन।

ड) **अन्य प्रकार की मृत्यु होने पर पारिवारिक पेन्शन :–** पारिवारिक पेंशन की बढ़ी हुई दर अर्थात दिवंगत कार्मिक की मृत्यु से 10 साल तक के लिए आहरित किए गए अंतिम मूल वेतन का 50 प्रतिशत्, उसके बाद पारिवारिक पेंशन की सामान्य दर (अंतिम आहरित वेतन का 30 प्रतिशत्) (न्यूनतम रु 9,000/– प्रति माह)।

## (च) असाधारण पारिवारिक पेन्शन के तहत पारिवारिक पेन्शन :–

### ए) 'बी' और 'सी' श्रेणी के लिए

(i) दिवंगत सरकारी कर्मचारी पेन्शन योग्य पद पर नहीं होने पर उसे दिनांक 01.01.2016 को कल्पित वेतन (नोशनल पे) का 40 प्रतिशत्, न्यूनतम रू. 11,700/– प्रति माह ।

(ii) दिवंगत सरकारी कर्मचारी पेन्शन योग्य पद पर होने पर, उसे दिनांक 01.01.2016 को कल्पित वेतन (नोशनल पे) का 60 प्रतिशत्, न्यूनतम रू. 18,000/– प्रति माह ।

### बी) 'डी' और 'ई' श्रेणी के लिएः–

(i) विधवा को पारिवारिक पेंशन दिनांक 01.01.2016 को कल्पित वेतन (नोशनल पे) के बराबर होगी,जो न्यूनतम रु.18,000/– प्रति माह होगी ।

## छ) पेन्शन का सारांशीकरण (कम्यूटेशन) :–

पेंशन कम्यूटेशन राशि की गणना :–

एकमुश्त देय=सारांशीकरण (कम्यूटेशन) गुणन x 12x पेन्शन का 40 प्रतिशत् या कम्यूटेशन के लिए प्रस्तावित पेंशन।

**उदाहरण :–**

पेन्शन = 18500

पेन्शन का 40 प्रतिशत = 7400

अगले जन्म दिन को आयु = 58

कम्यूटेशन गुणन = 8.446

कम्यूटेशन पेन्शन की राशि = 7400X12X8.446

=रू0 7,50,004.80/- अर्थात् रू0 7,50,005/-

**02. <u>उपदान (ग्रेच्युटी)</u> :–** सेवानिवृत्ति उपदान (ग्रेच्युटी) की दर प्रत्येक पूर्ण छह मासिक अवधि की अर्हक सेवा (क्वालीफाइंग सर्विस) के लिए अंतिम आहरित एक चौथाई परिलब्धियां हैं, जो परिलब्धियों का अधिकतम 16 ½ गुना या रु. 20 लाख में से जो भी कम हो।

**1. <u>सेवानिवृत्ति उपदान की गणना</u>**

अंतिम आहरित वेतन + मंहगाई भत्ता (सेवानिवृत्ति/मृत्यु के समय पर)x छः मासिक अवधि ÷ 4

उदाहरणः अंतिम आहरित वेतन : 37,000/–

अर्हक सेवा : 33 वर्ष

$$\frac{37,000 + 1850 \text{ (मंहगाई भत्ता)} \times 66 \text{ छः मासिक अवधि(एसएमपी)}}{4}$$

$$= \frac{37000+1850x66}{4}$$

$$= \frac{38850x66}{4} = 6,41,025$$

**2. <u>मृत्यु उपदान की गणना</u> :–** सेवा के दौरान मृत्यु के मामलों में मृत्यु उपदान निम्नलिखित दरों पर देय हैः –

| सेवा की अवधि | परिवार को देय/लागू मृत्यु उपदान |
|---|---|
| 01 वर्ष से भी कम | मासिक परिलब्धियों का 02 गुना |
| 01 वर्ष या उससे अधिक परन्तु 05 वर्ष से कम | मासिक परिलब्धियों का 06 गुना |
| 05 वर्ष या उससे अधिक परन्तु 20 वर्ष से कम | मासिक परिलब्धियों का 12 गुना |
| 20 वर्ष या उससे अधिक | प्रत्येक पूर्ण छः मासिक अर्हक सेवा की अवधि के लिए परिलब्धियों का आधा, अधिकतम 33 वर्ष की परिलब्धियां या रुपये बीस लाख में से जो भी कम हो। |

**उदाहरणः–**

अंतिम आहरित वेतन : 37,000/–
अर्हक सेवा : 33 वर्ष

$$\frac{37000 + 1850 \text{ (मंहगाई भत्ता)} \times 66 \text{ (एसएमपी)}}{2}$$

$$= \frac{37000+1850x66}{2}$$

$$= \frac{38850x66}{2} = 12,82,050$$

**3. <u>अवकाश का नकदीकरण :</u>**

सेवानिवृत्ति या मृत्यु या सेवा छोड़ने पर, अधिकतम 300 दिनों के लिए अंतिम आहरित परिलब्धियों के बराबर राशि।

ए) अधिकतम अर्जित छुट्टी – 300 दिन ।

**उदाहरण :**

$$\frac{\text{अंतिम आहरित वेतन + सेवानिवृत्ति/सेवा छोड़ने के समय मंहगाई भत्ता x अर्जित छुट्टी के कुल दिन, अधिकतम 300 दिन}}{30}$$

मूल वेतन – 37,000 अंतिम आहरित वेतन + सेवानिवृत्ति/सेवा छोड़ने के समय मंहगाई भत्ता
मंहगाई भत्ता / 05 प्रतिशत – 1850
जमा अर्जित छुट्टी – 200 दिन

नकदी के समतुल्य $= \frac{37000+1850 \times 200}{30} = 2,59,000/-$

बी) अर्ध वेतन छुट्टी (एच.पी.एल) $= \frac{37000+1850 \times 100}{30X2} = 64,750/-$

## 4. केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना

केन्द्रीय सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए यह योजना अनिवार्य है मासिक अंशदान तथा बीमा सुरक्षा कवर निम्नलिखित हैं :–

| ग्रुप | मासिक अंशदान की दर | बीमा राशि |
|---|---|---|
| ''ए'' | रू0 120/– | रू0 1,20,000/– |
| ''बी'' | रू0 60/– | रू0 60,000/– |
| ''ए'' | रू0 30/– | रू0 30,000/– |

**मृत्यु होने पर हकदारी =** बीमा सुरक्षा कवर की राशि **+** सरकार द्वारा परिचालित वार्षिक विवरणी के अनुसार मृत्यु तक जमा हुई अशंदान राशि।

**सेवानिवृत्ति/सेवा छोड़ने पर अनुदान =** सरकार द्वारा परिचालित वार्षिक विवरणी के अनुसार सेवानिवृत्ति/सेवा छोड़ने की तिथि तक जमा अंशदान की राशि।

**5. चिकित्सा भत्ता :** रू0 1,000/–प्रतिमाह (केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना वाले क्षेत्रो के अंतर्गत नहीं आने वाले पेंशनभोगी ही इसके पात्र है )

**6. <u>सामान्य भविष्य निधि</u>**

<u>सामान्य भविष्य निधि की गणना</u>

<u>वर्ष–**2016–17,** अंत शेष – **38,600/–**</u>

**( 7.9 प्रतिशत ब्याज की दर से दिनांक–01/04/17 से 30/06/17 तक की अवधि का ब्याज की गणना )**

| मास | अंशदान | ब्याज की दर | कुल | आंशिक निकासी | मासिक शेष |
|---|---|---|---|---|---|
| अप्रैल 17 | 1000 | 0 | 1000 | 0 | 39600 |
| मई 17 | 1000 | 0 | 1000 | 0 | 40600 |
| जून 17 | 1000 | 0 | 1000 | 0 | 41600 |
| कुल | 3000 | 0 | 3000 | 0 | **121800** |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **कुल प्रोग्रेसिव** | **121800** | प्रारंभिक शेष | 38600 |
| मासिक औसत | 10150 | जमा राशि | 3000 |
| | | ब्याज | 802 |
| | | कुल | 42402 |
| | | डेबिटस | 00 |
| | | **शुद्ध राशि** | **42402** |

**<u>भाग–दो</u>**

**( 7.8 प्रतिशत ब्याज की दर से दिनांक–01/07/17 से 31/12/17 तक की अवधि का ब्याज की गणना )**

| मास | अंशदान | ब्याज की दर | कुल | निकासी | मासिक शेष |
|---|---|---|---|---|---|
| जुलाई 17 | 2000 | 0 | 2000 | 0 | 43600 |
| अगस्त 17 | 2000 | 0 | 2000 | 0 | 45600 |
| सितंबर 17 | 2000 | 0 | 2000 | 0 | 47600 |
| अक्टूबर 17 | 2000 | 0 | 2000 | 0 | 49600 |
| नवंबर 17 | 3000 | 0 | 3000 | 40000 | 12600 |
| दिसंबर 17 | 3000 | 0 | 3000 | 0 | 15600 |
| **कुल** | **14000** | **0** | **14000** | **40000** | **214600** |

| | | | |
|---|---|---|---|
| कुल प्रोग्रेसिव | **214600** | प्रारंभिक शष | 42402 |
| मासिक औसत | 17883 | जमा राशि | 14000 |
| | | ब्याज | 1395 |
| | | **कुल** | **57797** |
| | | डेबिटस | 40000 |
| | | **शुद्ध राशि** | **17797** |

## भाग–तीन

**( 7.6 प्रतिशत ब्याज की दर से दिनांक–01/01/18 से 31/03/18 तक की अवधि** का ब्याज की गणना )

| मास | अंशदान | ब्याज की दर | कुल | आशिंक निकासी | मासिक शेष |
|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी 18 | 3000 | 0 | 3000 | 0 | 18600 |
| फरवरी 18 | 3000 | 0 | 3000 | 0 | 21600 |
| मार्च 18 | 3000 | 0 | 3000 | 0 | 24600 |
| **कुल** | **9000** | **0** | **9000** | **0** | **64800** |

| | | | |
|---|---|---|---|
| कुल प्रोग्रेसिव | **64800** | प्रारंभिक शेष | 17797 |
| मासिक औसत | 5400 | जमा राशि | 9000 |
| | | ब्याज | 410 |
| | | कुल | 27207 |
| | | डेबिटस | 00 |
| | | **शुद्ध राशि** | **27207** |

ब्याज –कुल प्रोग्रेसिव **X** ब्याज की दर

12 **X** 100

नोट : कॉलम नं0 2 में, अप्रैल माह में मार्च एवं अप्रैल के वेतन का मासिक अंशदान दिखाया जाएगा। कॉलम नं0 6 के लिए कुल प्रोग्रेसिव ( मासिक शेष ) अप्रैल का अंशदान मार्च में एवं मई में अप्रैल का अंशदान दिखाया जाएगा एवं वर्ष की समाप्ति पर मार्च में फरवरी का दिखाया जाएगा।

## 07. सेवा निवृत्ति पर यात्रा भत्ता

i) पात्रता के अनुसार स्वयं और परिवार के लिए।

ii) संयुक्त स्थानान्तरण अनुदान ( पिछले माह के मूल वेतन का 80 प्रतिशत)।

iii) परिवहन पर व्यक्तिगत सामान ले जाने के खर्च की प्रतिपूर्ति।

iv) परिवहन पर वाहन प्रभार की प्रतिपूर्ति।

*****

## अध्याय–09

## केन्द्र सरकार की सेवाओं में नियुक्त नये कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के तहत मिलने वाले पेंशन के लाभ

दिनांक 1/1/2004 को या उसके पश्चात नियुक्त हुए केन्द्र सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना लागू है। **सेवानिवृत्ति पर अंतिम भुगतान करने संबंधी नियमों को सरकार द्वारा अभी अंतिम रूप देना शेष है।** तथापि नई पेंशन योजना में आने वाले बल के कार्मिकों/निकटतम संबंधियों को अगले आदेश तक निम्नलिखित लाभ अस्थायी रूप से प्रदान किए गए हैं :–

(I) सरकारी सेवा से अशक्तता पर सेवानिवृत्त होने पर जोकि सरकारी ड्यूटी के कारण नहीं हुई है।

(i) के.सि.से.(पेंशन) नियमावली–1972 के नियम 38 और नियम 49 के अनुसार अशक्तता पेंशन की गणना की जाएगी।

(ii) के.सि.से. (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 50 के अनुसार सेवानिवृत्ति ग्रेच्यूटी की गणना की जाएगी।

(II) सेवा के दौरान मृत्यु होने पर जो कि सरकारी ड्यूटी के कारण नहीं हुई है।

(i) पारिवारिक पेंशन (बढी हुई दर की पारिवारिक पेंशन सहित) की गणना के.सि.से. (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 54 के अनुसार की जाएगी।

(ii) मृत्यु उपदान की गणना के.सि.से.(पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 50 के अनुसार की जाएगी।

(III) सरकारी ड्यूटी के दौरान बीमारी/घायल होने के कारण सरकारी सेवा से डिस्चार्ज होने पर :–

(i) के.सि.से. (असाधारण पेंशन) नियमावली के अनुसार अशक्तता पेंशन की गणना की जाएगी।

(ii) के.सि.से.(पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 50 के साथ पठित के.सि.से. (असाधारण पेंशन)के अनुसार सेवानिवृत्ति ग्रेच्यूटी की गणना की जाएगी।

(IV) सरकारी ड्यूटी के कारण मृत्यु होने पर :–

(i) के.सि.से. (असाधारण पेंशन) नियमावली और उदार पेंशन लाभ की योजना के अनुसार असाधारण पेंशन की गणना की जाएगी।

(ii) के.सि.से. (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 50 के अनुसार मृत्यु उपदान की गणना की जाएगी।

कर्मचारी /उसके परिवार को उपरोक्त लाभों के अतिरिक्त समय–समय पर देय महंगाई पेंशन/महंगाई राहत भी **<u>अस्थाई आधार पर</u>** दी जायेगी।

(V) अन्य लाभ :

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | अनुग्रह राशि (केन्द्रीय) | 1. रू0 35,00,000 कार्रवाई से हुई मृत्यु के मामले में।<br>2. रू0 25,00,000 ड्यूटी पर सरकारी कार्य के दौरान जोखिम/दुर्घटना के कारण मृत्यु के मामले में। | |
| | **रेजीमेंटल निधि से** | | |
| 2 | कल्याण एवं सुविधा निधि | रू0 50,000/– ( रू0 30,000/– के0क0निधि से और रू0 20,000/– कल्याण निधि से। | तत्काल वित्तीय सहायता (दि0 1/1/2013 से) |
| 3 | केन्द्रीय कल्याण निधि (सी0 डब्ल्यू0एफ0) | रू0 1,50,000/– | मृत्यु के मामले में (दि0 1/3/2018 से) |
| 4 | जोखिम निधि | रू0 20 लाख<br>रू0 20 लाख<br><br>रू0 12 लाख | कार्रवाई में मृत्यु होने पर ।<br>सेरेब्रल मलेरिया के कारण मृत्यु होने पर ।<br>अन्य सभी प्रकार की मृत्यु होने पर। |

*****

# अध्याय–10

## के0रि0पु0बल परिवार कल्याण संस्था (कावा) द्वारा संचालित की जा रही गतिविधियां

1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम–XXI के तहत केरिपुबल महिला कल्याण संस्था (कावा) को औपचारिक रूप से सीआरपीएफ वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (सीडब्यलूडब्यलूए) के रूप में 22 जून 1995 को रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज दिल्ली सरकार द्वारा पंजीकृत किया गया था। इसका लोगो 08 सितंबर 2005 को संशोधित किया गया था और रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा 02 मई 2014 को इसे केरिपुबल परिवार कल्याण संस्था (कावा) के रूप में संशोधित किया गया। विभिन्न उद्देश्यों एवं लक्ष्यों के साथ इस संस्थान का अपना अलग ज्ञापन है। कावा एक गैर लाभकारी संस्था है एवं आयकर विभाग के साथ एनजीओ के रूप में पंजीकृत है।

शासी निकाय एवं केन्द्रीय कार्यकारी समिति (सीईसी) के सदस्यों इत्यादि द्वारा केरिपुबल महिला कल्याण संस्था की देखरेख की जाती है। कावा दिल्ली में केन्द्रीय स्तर पर केरिपुबल महानिदेशक की धर्मपत्नी ( अध्यक्षा कावा ) की अध्यक्षता में तथा क्षेत्रीय केरिपुबल परिवार कल्याण संस्था परिवार प्रत्येक ग्रुप केन्द्र में तथा आर.ए.एफ. यूनिट में केरिपुबल के जवानों तथा उनके परिवारों के कल्याण की देखरेख के लिए कार्यरत है ।

इस संस्था की स्थापना जिन लक्ष्यों एवं उद्देश्यों हेतु की गई है, उनका विवरण निम्नानुसार हैः–

- केरिपुबल की महिलाओं में हुनर को निपुण करने और उनके अंदर प्रबंधकीय कौशल विकसित करने हेतु।
- विधवाओं, विकलांगों एवं मानसिक रूप से मंदबुद्धि बच्चों और केरिपुबल के विकलांग कार्मिकों के पुर्नवास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।

- केरिपुबल के सेवारत और सेवानिवृत्त कार्मिकों एवं उनके परिवारों के लिए शैक्षिक/व्यवसायिक कौशल प्रशिक्षण के विकास हेतु कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना।
- अन्य संगठनों एवं विभिन्न मंत्रालयों के विभागों के साथ सहयोग से काम करना।
- तनाव प्रबंधन, एचआईवी/एड्स की रोकथान, शराब और नशीली दवाओं के व्यसन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन करना ।
- केरिपुबल परिवारों को सुदृढ करने के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत धन जुटाने हेतु।
- सांस्कृतिक एवं खेलकूद की गतिविधियों को आयोजित करने के लिए।
- संस्था के समस्त उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की पूर्ति के लिए जैसा संस्था उचित समझे, निधि का संचालन एवं निवेश करना।
- परिवार परामर्श – उनके पारिवारिक समस्याओं का समाधान एवं वित्तीय प्रबंधन में सहयोग करने के लिए।
- महिलाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- मृतक कार्मिको के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना।

परिवारों के स्वास्थ्य की देखभाल एवं केरिपुबल के कार्मिकों व उनके परिवार के सदस्यों को सुदृढ़ करने के लिए कावा ने विभिन्न योजनाओं की पहल करने का दायित्व उठाया है। इन प्रयासों में बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में की गई विभिन्न पहलों में परिवार कल्याण केन्द्र के तहत परिवारों के लिए अतिरिक्त आय, विधवाओं/विकलांगों के पुनर्वास, बल के कार्मिकों के परिवार के सदस्यों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण आदि शामिल है।

## कावा निधि से वित्तीय सहायता

कावा केरिपुबल के कार्मिकों के परिवारों को विभिन्न प्रकार से वित्तीय सहायता प्रदान करता है। कावा केरिपुबल के मृतक एवं शहीद कार्मिकों के बच्चों को सावधि जमा वितरित कराता है। प्राकृतिक आपदाओं, जैसे भूकंप, बाढ़ आदि के दौरान भी विभिन्न प्रकार के सामान यथा कपडे, खाद्य सामग्री आदि उपलब्ध कराने की भी सहायता कावा निधि से की जाती है।

## समर कैंप के लिए वित्तीय सहायता

कावा प्रत्येक वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों एवं कौशल प्रशिक्षण हेतु सभी क्षेत्रीय कावा को कुछ राशि उपलब्ध कराता है। वर्तमान में विभिन्न ग्रु0के0/यूनिटों में 47 क्षेत्रीय कावा चल रहे है। केरिपुबल कार्मिकों के परिवारों व उनके बच्चे समर कैंप के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं प्रशिक्षण में शामिल होते है, जो उन्हें सशक्त एवं आत्म निर्भर बनाते है।

## व्यावसायिक प्रशिक्षण

क्षेत्रीय कावा केंद्र, केरिपुबल के जवानों के बच्चों व उनके परिवारों के लिए पूरे वर्ष अपने परिसर में निम्नलिखित व्यवसायिक प्रशिक्षण /पाठ्यक्रमों का आयोजन करता है ताकि वे और अधिक कुशल और आत्मनिर्भर बन सके।

**व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम**

| मास | पाठ्यक्रमों के नाम |
|---|---|
| **जनवरी** | 1. ग्रूमिंग क्लासेज<br>2. तिल का लड्डू एवं चिक्की मेकिंग |
| **फरवरी** | 1. चॉकलेट बनाना एवं फूल की सजावट<br>2. आभूषण या बैग बनाना |
| **मार्च** | 1. हर्बल गुलाल एवं गुजिया बनाना<br>2. कटिंग एवं सिलाई करना |

| | |
|---|---|
| **अप्रैल** | 1. टेबल मैनर और ले आउट<br>2. स्व रक्षा प्रशिक्षण |
| **मई** | 1. कंप्यूटर प्रशिक्षण<br>2. अंग्रेजी बोलने का प्रशिक्षण |
| **जून** | 1. अचार, पापड़, मसाला और जैम बनाना<br>2. वाहन चालक प्रशिक्षण |
| **जुलाई** | 1. आइसक्रीम, मॉक टेल मेकिंग<br>2. हस्तशिल्प/कढ़ाई प्रशिक्षण |
| **अगस्त** | 1. राखियां बनाना एवं पूजा के थाल की सजावट करना<br>2. सॉफ्ट खिलौना बनाने संबंधी पाठ्यक्रम |
| **सितम्बर** | 1. चित्रकारी एवं मेंहदी के पाठ्यक्रम<br>2. प्राथमिक उपचार कोर्स |
| **अक्टूबर** | 1. मोमबत्ती और दिया बनाना<br>2. ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण |
| **नवंबर** | 1. बुनाई के पाठ्यक्रम(मैनुअल एवं मशीन)<br>2. कार्ड और बुक मार्क मेकिंग |
| **दिसंबर** | 1. केक/कुकीज/मफिन बेकिंग और गिफ्ट रैपिंग प्रशिक्षण<br>2. पेपर बैग बनाना |

## मुस्कान–द स्माईल

कावा ने वर्ष 2016 के दौरान 'मुस्कान–द स्माईल' नामक एक योजना का शुभारंभ किया। जिसके तहत कावा ने केरिपुबल परिवारों की परम आवश्यकता को देखते हुए 50 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांग और मानसिक व शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों को व्हील चेयर प्रदान किया।

## विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम

कावा पूरे वर्ष में न केवल दिल्ली बल्कि प्रत्येक ग्रुप केन्द्र में क्षेत्रीय कावा के सौजन्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

## कावा/क्षेत्रीय कावा द्वारा विभिन्न दिवसों को मनाना

| तिथि | दिन |
|---|---|
| 24 जनवरी | गर्ल–चाईल्ड डे |
| 08 मार्च | अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस |
| 7 अप्रैल | अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस |
| 6 मई | वरिष्ठ नागरिक दिवस |
| 5 जून | विश्व पर्यावरण दिवस |
| 21 जून | योग दिवस |
| 22 जून | कावा स्थापना दिवस |
| 15 अगस्त | सफाई अभियान |
| सुविधानुसार | परिवार दिवस |
| 2 अक्टूबर | गॉधी जयन्ती |
| 14 नवम्बर | बच्चों के खेलकूद और मौजमस्ती दिवस |

## स्वास्थ्य कार्यक्रम

सी0 डब्ल्यू0 ए0 एवं आर0 सी0 डब्ल्यू0 ए0 द्वारा स्वास्थ्य से सम्बंधित जागरूकता फैलाने के लिये निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है ।

## कावा द्वारा संचालित स्वास्थय संबंधी कार्यक्रम

| | |
|---|---|
| जनवरी | वरिष्ठ नागरिकों के वृद्वावस्था की देखभाल । |
| फरवरी | सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर पर विशेष ध्यान सहित कैंसर की रोकथाम |
| मार्च | टी0बी0 और गुर्दे की बीमारी का रोकथाम और नियंत्रण । |
| अप्रैल | महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित स्वास्थ्य दिन । |

| | |
|---|---|
| मई | महिलाओं को सदैव स्वस्थ रखना । |
| जून | योग और शारिरिक फिटनेस के दिवस । |
| जुलाई | हेपेटाईटिस और पानी से पैदा हुये अन्य रोगों का रोकथाम और नियन्त्रण । |
| अगस्त | स्तनपान को बढावा देने एवं मलेरिया का रोकथाम एवं नियन्त्रण । |
| सितम्बर | पाषण, अंधापन नियन्त्रण । |
| अक्टूबर | हृदय रोग की रोकथाम और जीवन शैली प्रबंधन। |
| नवम्बर | मधुमेह की रोकथाम ओर नियन्त्रण । |
| दिसम्बर | विश्व एड्स दिवस । |

## चिकित्सा शिविर –

सी0डब्ल्यू0ए0 और आर0सी0डब्ल्यू0ए0 द्वारा अपने परिसर के भीतर चिकित्सा शिविर का आयोजन, निःशुल्क चिकित्सा जॉच और चिकित्सा सहायता/मार्गदर्शन नेत्र परीक्षण शिविर, महिलाओं के स्वास्थ्य की जॉच शिविर आदि का आयोजन करती है।

*****

## अध्याय– 11

**मृत्यु/विकलांगता पर राज्यों द्वारा दी जाने वाली अनुग्रह राशि का समेकित विवरण**

| राज्य का नाम | संबंधित राज्यों के कार्मिकों को उन राज्यों द्वारा दी जाने वाली अनुग्रहराशि एवं जीपीएआईएस | | कार्रवाई के दौरान शहीद हुए उन कार्मिकों को देय राज्य अनुग्रह राशि जो उस राज्य के नहीं हैं |
|---|---|---|---|
| | यदि शहादत शहीद के राज्य में कार्रवाई के दौरान हुई है। | यदि शहादत शहीद के राज्य से बाहर कार्रवाई के दौरान हुई है। | |
| अरुणाचल प्रदेश | 50 लाख रूपये।<br>10 लाख रूपये स्थायी विकलांगता पर ।<br>50,000 हजार रूपये सामान्य जख्मी होने पर । | 50 लाख रूपये।<br>10 लाख रूपये स्थायी विकलांगता पर ।<br>50,000 हजार रूपये सामान्य जख्मी होने पर | 50 लाख रूपये।<br>10 लाख रूपये स्थायी विकलांगता पर ।<br>50,000 हजार रूपये सामान्य जख्मी होने पर । |
| असम | 20 लाख रूपये मृत्यु पर ।<br>2 लाख रूपये 50 प्रतिशत या इससे अधिक की विकलांगता पर ।<br>25,000 हजार रूपये सामान्य चोट की दशा में। | निर्दिष्ट नहीं । | 20 लाख रूपये मृत्यु पर<br>2 लाख रूपये 50 प्रतिशत या इससे अधिक की विकलांगता पर ।<br>25,000 हजार रूपये सामान्य चोट की दशा में। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| आन्ध्र प्रदेश | (क) मृत्यु के मामले में– अनुग्रह राशि<br><br>1) 30 लाख रूपये उप निरीक्षक के पद तक के लिए।<br><br>2) 36 लाख रूपये निरीक्षक एवं इसके उपर के पद के लिए।<br><br>स्थायी रूप से अक्षमता के मामले में<br><br>12 लाख रूपये ।<br><br>गंभीर रूप से जख्मी होने के मामले में<br><br>3.60 लाख रूपये।<br><br>(ब) बीमा (जी0पी0ए0आई0 एस0)– मृत्यु पर<br><br>5 लाख रूपये। | निर्दिष्ट नहीं । | मृत्यु के मामले में– अनुग्रह राशि<br><br>1) 30 लाख रूपये उप निरीक्षक के पद तक ।<br><br>2) 36 लाख रूपये निरीक्षक एवं इसके उपर के पद के लिए ।<br><br>स्थायी तौर पर अक्षमता के मामले में<br><br>12 लाख रूपये।<br><br>गंभीर रूप से जख्मी होने के मामले में<br><br>3.60 लाख रूपये।<br><br>(ब) बीमा (जी0पी0ए0आई0एस0)– मृत्यु पर<br><br>रूपये– 5 लाख रूपये। |

| राज्य का नाम | संबंधित राज्यों के कार्मिकों को उन राज्यों द्वारा दी जाने वाली अनुग्रहराशि एवं जीपीएआईएस | | कार्रवाई के दौरान शहीद हुए उन कार्मिकों को देय राज्य अनुग्रह राशि जो उस राज्य के नहीं है |
|---|---|---|---|
| | **यदि शहादत शहीद के राज्य में कार्रवाई के दौरान हुई है।** | **यदि शहादत शहीद के राज्य से बाहर कार्रवाई के दौरान हुई है।** | |
| बिहार | मृत्यु के मामले में – अनुग्रह राशि 5 लाख रूपये। (केवल बी0एस0एफ0 के लिए 11 लाख रूपये)<br><br>मृत्यु /स्थायी विकलांगता के मामले में<br>उग्रवाद प्रभावित जिलों में तैनात (एस0आर0ई0 जिला) पुलिस के कार्मिकों के लिए (जिला पुलिस, बी0एम0पी0, होम गार्डस एस.ए.पी. एवं सी0 आर0 पी0एफ0) 20 लाख रूपये की बीमा राशि | अनुग्रह राशि 5 लाख रूपये<br><br>(केवल बी0एस0एफ0 के लिए 11 लाख रूपये) | मृत्यु के मामले में – अनुग्रह राशि 5 लाख रूपये। (केवल बी0एस0एफ0 के लिए 11 लाख रूपये)<br><br>मृत्यु /स्थायी विकलांगता के मामले में<br><br>उग्रवाद प्रभावित जिलों में तैनात (एस0आर0ई0 जिला) पुलिस के कार्मिकों के लिए (जिला पुलिस ,बी0एम0पी0, होम गार्डस एस.ए.पी. एवं सी0आर0पी0एफ0) 20 लाख रूपये की बीमा राशि) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| छत्तीसगढ़ | अनुग्रहराशि –<br>3 लाख रूपये<br>जी0पी0एस0आई0ए0।<br><br>(1) मृत्यु के मामले में उत्तराधिकारी को 15 लाख रूपये।<br><br>मृत्यु के मामले में माता–पिता को 10 लाख रूपये।<br><br>दोनों हाथ, पैर, कान एवं ऑख की क्षति होने पर 20 लाख रूपये ।<br><br>एक हाथ, पैर, कान एवं ऑख की क्षति होने पर 10 लाख रूपये ।<br><br>एक सप्ताह तक ईलाज के लिए 20 हजार रूपये।<br><br>एक सप्ताह से अधिक के ईलाज के लिए 40 हजार रूपये। | ------ | अनुग्रहराशि –<br>3 लाख रूपये<br>जी0पी0एस0आई0ए0।<br><br>(1) मृत्यु के मामले में उत्तराधिकारी को 15 लाख रूपये।<br><br>मृत्यु के मामले में माता–पिता को 10 लाख रूपये।<br><br>दोनों हाथ, पैर, कान एवं ऑख की क्षति होने पर 20 लाख रूपये<br><br>एक हाथ, पैर, कान एवं ऑख की क्षति होने पर 10 लाख रूपये ।<br><br>एक सप्ताह तक ईलाज के लिए 20 हजार रूपये।<br><br>एक सप्ताह से अधिक के ईलाज के लिए 40 हजार रूपये। |

| राज्य का नाम | संबंधित राज्यों के कार्मिकों को उन राज्यों द्वारा दी जाने वाली अनुग्रहराशि एवं जीपीएआईएस | | कार्रवाई के दौरान शहीद हुए उन कार्मिकों को देय राज्य अनुग्रह राशि जो उस राज्य के नहीं हैं |
|---|---|---|---|
| | यदि शहादत शहीद के राज्य में कार्रवाई के दौरान हुई है। | यदि शहादत शहीद के राज्य से बाहर कार्रवाई के दौरान हुई है। | |
| चंडीगढ़ (यूटी) | कार्रवाई में मृत्यु होने पर रूपये 15 लाख , सरकारी ड्यूटी के दौरान दुघर्टना से मृत्यु होने पर रूपये 10 लाख | कार्रवाई में मृत्यु होने पर रूपये 15 लाख , सरकारी ड्यूटी के दौरान दुघर्टना से मृत्यु होने पर रूपये 10 लाख | कार्रवाई में मृत्यु होने पर रूपये 15 लाख , सरकारी ड्यूटी के दौरान दुघर्टना से मृत्यु होने पर रूपये 10 लाख |
| दिल्ली (यूटी) | 1 करोड़ रूपये | 1 करोड़ रूपये | 1 करोड़ रूपये |
| गुजरात | 1 लाख रूपये | शून्य | 1 लाख़ रूपये |
| गोवा | 10 लाख रूपये मृत्यु के मामले में ।<br>03 लाख रूपये अपंगता पर।<br>08 लाख रूपये सैन्य सेवा में मृत्यु होने के मामले में।<br>02 लाख रूपये सैन्य सेवा में अपंगता के मामले में।<br>08 लाख रूपये आतंकवादी हिंसा या असामाजिक तत्वों द्वारा मृत्यु के मामले में।<br>02 लाख रूपये आतंकवादी हिंसा या असामाजिक तत्वों द्वारा हिंसा में अपंगता के मामले में। | | ——————— |

| | | | |
|---|---|---|---|
| हरियाणा | 50 लाख रूपये मृत्यु होने पर (कार्रवाई के दौरान)<br><br>20 लाख रूपये मृत्यु पर (आंतरिक सुरक्षा डयूटी , परिचालन डयूटी , चुनाव डयूटी ,प्राकृतिक आपदा एवं बचाव अभियान के दौरान )<br><br>35 लाख रूपये (75 प्रतिशत एवं इससे अधिक की अशक्तता होने पर )।<br><br>रूपये– 25 लाख (50 से 74 प्रतिशत की अशक्तता होने पर)।<br><br>15 लाख रूपये (25 से 49 प्रतिशत की अशक्तता होने पर)। | 50 लाख रूपये मृत्यु पर (कार्रवाई के दौरान )<br><br>20 लाख रूपये मृत्यु पर (आंतरिक सुरक्षा डयूटी , परिचालन , चुनाव डयूटी, प्राकृतिक आपदा एवं बचाव अभियान के दौरान)<br><br>35 लाख रूपये (75 प्रतिशत एवं इससे अधिक की अशक्तता होने पर)<br><br>25 लाख रूपये 50 से (74 प्रतिशत की अशक्तता होने पर)।<br><br>15 लाख रूपये (25 से 49 प्रतिशत की अशक्तता पर)। | 50 लाख रूपये मृत्यु पर (कार्रवाई के दौरान )<br><br>20 लाख रूपये मृत्यु पर (आंतरिक सुरक्षा डयूटी , परिचालन , चुनाव डयूटी, प्राकृतिक आपदा एवं बचाव अभियान के दौरान)<br><br>35 लाख रूपये (75 प्रतिशत एवं इससे अधिक की अशक्तता होने पर) ।<br><br>25 लाख रूपये 50 से (74 प्रतिशत की अशक्तता होने पर)।<br><br>15 लाख रूपये (25 से 49 प्रतिशत की अशक्तता पर)। |

| राज्य का नाम | संबंधित राज्यों के कार्मिकों को उन राज्यों द्वारा दी जाने वाली अनुग्रहराशि एवं जीपीएआईएस | | कार्रवाई के दौरान शहीद हुए उन कार्मिकों को देय राज्य अनुग्रह राशि जो उस राज्य के नहीं हैं |
|---|---|---|---|
| | **यदि शहादत शहीद के राज्य में कार्रवाई के दौरान हुई है।** | **यदि शहादत शहीद के राज्य से बाहर कार्रवाई के दौरान हुई है।** | |
| हिमाचल प्रदेश | अनुग्रह राशि<br>रू0 20 लाख – युद्ध के दौरान मृत्यु रू0 5 लाख – शारीरिक चोट पर<br><br>अनुग्रह मुआवजा<br>50 प्रतिशत अशक्तता पर रू0 2.5 लाख।<br>50 प्रतिशत से कम अशक्तता पर रू0 एक लाख। | अनुग्रह राशि<br>रू0 20 लाख – युद्ध के दौरान मृत्यु रू0 5 लाख – शारीरिक चोट पर<br>अनुग्रह मुआवजा<br>50 प्रतिशत अशक्तता पर रू0 2.5 लाख।<br>50 प्रतिशत से कम अशक्तता पर रू0 एक लाख। | अनुग्रह राशि<br>रू0 20 लाख – युद्ध के दौरान मृत्यु रू0 5 लाख – शारीरिक चोट पर<br><br>अनुग्रह मुआवजा<br>50 प्रतिशत अशक्तता पर रू0 2.5 लाख।<br>50 प्रतिशत से कम अशक्तता पर रू0 एक लाख। |
| झारखंड | 2.5 लाख रूपये (अनुग्रह राशि) 13.75 लाख का बीमा नक्सल विरोधी ऑपरेशन के दौरान मारे जाने की स्थिति में । | निर्दिष्ट नहीं । | 2.5 लाख रूपये (अनुग्रह राशि)+13.75 लाख का बीमा नक्सल विरोधी ऑपरेशन के दौरान मारे जाने की स्थिति में । |

| | | | |
|---|---|---|---|
| जम्मू एवं काश्मीर | 2 लाख रूपये अनुग्रह रशि 75000 रूपये स्थायी अशक्तता होने पर 10,000 रूपये आंशिक अशक्तता होने पर | शून्य | 2 लाख रूपये अनुग्रह राशि 75000 रूपये स्थायी अशक्तता होने पर 10,000 रूपये आंशिक अशक्तता होने पर |
| कर्नाटक | 5 लाख रूपये मृत्यु के मामले में 1 लाख रूपये चोट/अशक्तता होने पर | 5 लाख रूपये मृत्यु के मामले में 1 लाख रूपये चोट/अशक्तता होने पर | 5 लाख रूपये मृत्यु के मामले में 1 लाख रूपये चोट/अशक्तता होने पर |
| केरल | 5 लाख रूपये मृत्यु के मामले में 3 लाख रूपये गंभीर रूप से जख्मी होने पर। | 10 लाख रूपये (जम्मू एवं कश्मीर में कारवाई के दौरान मृत्यु पर) 5 लाख रूपये मृत्यु के मामले में 3 लाख रूपये गंभीर रूप से जख्मी होने पर। | 5 लाख रूपये मृत्यु के मामले में 3 लाख रूपये गंभीर रूप से जख्मी होने पर। |
| मध्य प्रदेश | रु0 10 लाख मृत्यु या 100% अशक्तता होने पर रु0 5 लाख – 50% अशक्तता होने पर रु0 2.5 लाख–25% अशक्तता होने पर | रु0 10 लाख मृत्यु या 100 % अशक्तता होने पर रू0 5 लाख – 50 % अशक्तता होने रु0 2.5 लाख – 25 % अशक्तता होने पर | लागू नहीं। |

| राज्य का नाम | संबंधित राज्यों के कार्मिकों को उन राज्यों द्वारा दी जाने वाली अनुग्रहराशि एवं जीपीएआईएस | | कार्रवाई के दौरान शहीद हुए उन कार्मिकों को देय राज्य अनुग्रह राशि जो उस राज्य के नहीं हैं |
|---|---|---|---|
| | यदि शहादत शहीद के राज्य में कार्रवाई के दौरान हुई है। | यदि शहादत शहीद के राज्य से बाहर कार्रवाई के दौरान हुई है। | |
| महाराष्ट्र | सभी मृत कार्मिकों के आश्रितों को रु0 10 लाख – मृत्यु होने पर रु0 1 लाख – स्थायी रूप से अक्षम होने पर रु0 3 लाख एस. आर.ई. योजना में से दिए जायेंगे। | सभी मृत कार्मिकों के आश्रितों को रु0 3 लाख स0स0ख0 (एस. आर.ई.) योजना में से दिए जायेंगे। | सभी मृत कार्मिकों के आश्रितों को रु0 10 लाख – मृत्यु होने पर रु0 1 लाख – स्थायी रूप से अक्षम होने पर रु0 3 लाख एस.आर.ई. योजना में से दिए जायेंगे। |
| मेघालय | रु0 7.5 लाख – मृत्यु होने पर रु0 1 लाख–घायल/ चोटिल होने पर | रु0 1 लाख मृत्यु होने पर रु0 20,000/– घायल/चोटिल होने पर | रु0 1 लाख मृत्यु होने पर रु0 20,000/– घायल/चोटिल होने पर |
| मिजोरम | रु0 5 लाख | रु0 5 लाख | रु0 5 लाख |
| मणिपुर | रु0 2 लाख – मृत्यु होने पर रु0 10,000/– घायल/चोटिल होने पर | अधिसूचित नहीं | रु0 2 लाख – मृत्यु होने पर रु0 10,000/– घायल/चोटिल होने पर |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नागालैण्ड | रु0 1 लाख – मृत्यु होने पर | रु0 1 लाख – मृत्यु होने पर | रु0 1 लाख – मृत्यु होने पर |
| ओडिशा | रु0 5 लाख – मृत्यु होने पर<br><br>पेंशन–2000/–प्रति माह दिनांक 01/01/2011 से | रु0 5 लाख– मृत्यु होने पर<br><br>पेंशन–2000/–प्रति माह दिनांक 01/01/2011 से | लागू नहीं |
| पंजाब | रु0 5 लाख – मृत्यु होने पर<br><br>रु0 4 लाख – 75 % से अधिक अशक्तता पर<br><br>रु0 2 लाख – 50 से 75 % तक अशक्तता होने पर<br><br>रु0 1 लाख – 25 से 50 % तक अशक्तता होने पर | रु0 5 लाख – मृत्यु होने पर<br><br>रु0 4 लाख – 75 % से अधिक अशक्तता पर<br><br>रु0 2 लाख – 50 से 75 % तक अशक्तता होने पर<br><br>रु0 1 लाख – 25 से 50 % तक अशक्तता होने पर | रु0 5 लाख – मृत्यु होने पर<br><br>रु0 4 लाख – 75 % से अधिक अशक्तता पर<br><br>रु0 2 लाख – 50 से 75 % तक अशक्तता होने पर<br><br>रु0 1 लाख – 25 से 50 % तक अशक्तता होने पर |

| राज्य का नाम | संबंधित राज्यों के कार्मिकों को उन राज्यों द्वारा दी जाने वाली अनुग्रहराशि एवं जीपीएआईएस | | कार्रवाई के दौरान शहीद हुए उन कार्मिकों को देय राज्य अनुग्रह राशि जो उस राज्य के नहीं हैं |
|---|---|---|---|
| | यदि शहादत शहीद के राज्य में कार्रवाई के दौरान हुई है। | यदि शहादत शहीद के राज्य से बाहर कार्रवाई के दौरान हुई है। | |
| राजस्थान | i) पत्नी के लिए :. 25 लाख अथवा 1 लाख + 25 बीघा जमीन या 1 लाख + आवासीय बोर्ड से मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) का एक घर।<br>ii) माता–पिता के लिए : लघु बचत योजना के तहत मासिक आय योजना में रू0 3 लाख की सावधि जमा। | i) पत्नी के लिए : 25 लाख अथवा 1 लाख + 25 बीघा जमीन या 1 लाख + आवासीय बोर्ड से मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) का एक घर।<br>ii) माता–पिता के लिए : लघु बचत योजना के तहत मासिक आय योजना में रू0 3 लाख की सावधि जमा। | अधिसूचित नहीं है। |
| सिक्किम | रु0 3 लाख | रु0 3 लाख | रु0 3 लाख |

| | | | |
|---|---|---|---|
| तमिलनाडु | रु0 20 लाख– कार्रवाई में मृत्यु होने पर रू0 15 लाख–पूर्ण अशक्तता /दोहरा अंग विच्छेद/पूर्ण अंधता पर रु0 10 लाख – एकल अपंगता /एक आंख से अंधापन पर | रु0 20 लाख–कार्रवाई में मृत्यु होने पर रु0 15 लाख–पूर्ण अशक्तता पर/दोहरा अंग विच्छेद /पूर्ण अंधता पर रु0 10 लाख – एकल अपंगता/एक आंख से अंधापन पर | रु0 20 लाख–कार्रवाई में मृत्यु होने पर रु0 15 लाख– पूर्ण अशक्तता पर/दोहरा अंग विच्छेद /पूर्ण अंधता पर रु0 10 लाख – एकल अपंगता /एक आंख से अंधापन पर |
| तेलंगाना | अनुग्रह राशि– रु0 45 लाख (उप निरीक्षक स्तर तक)<br>रु0 50 लाख (उप निरीक्षक से ऊपर)<br>बीमा–जी0पी0ए0आई0 एस0<br>रु0 5 लाख – (हवलदार रैंक तक)<br>रु0 10 लाख (उप निरीक्षक से निरीक्षक रैंक तक)<br>रु0 15 लाख – (निरीक्षक से ऊपर ) | अनुग्रह राशि– रु0 45 लाख (उप निरीक्षक स्तर तक)<br>रु0 50 लाख (उप निरीक्षक से ऊपर) | अनुग्रह राशि– रु0 45 लाख (उप निरीक्षक स्तर तक)<br>रु0 50 लाख (उप निरीक्षक से ऊपर)<br>बीमा–जी0पी0आई0ए0एस<br>रु0 5 लाख – (हवलदार रैंक तक)<br>रु0 10 लाख ( उप निरीक्षक से निरीक्षक रैंक तक )<br>रु0 15 लाख – (निरीक्षक से ऊपर ) |
| त्रिपुरा | अनुग्रह राशि– रु0 2 लाख – चोट/ अशक्तता पर<br>रु0 50,000/– गंभीर चोट पर<br>रु0 10,000/– सामान्य/अन्य प्रकार की चोट पर | अनुग्रह राशि– रु0 2 लाख – चोट/ अशक्तता पर<br>रु0 50,000/– गंभीर चोट पर<br>रु0 10,000/– सामान्य/अन्य प्रकार की चोट पर | अनुग्रह राशि– रु0 2 लाख – चोट/ अशक्तता पर<br>रु0 50,000/– गंभीर चोट पर<br>रु0 10,000/– सामान्य/अन्य प्रकार की चोट पर |

| राज्य का नाम | संबंधित राज्यों के कार्मिकों को उन राज्यों द्वारा दी जाने वाली अनुग्रहराशि एवं जीपीएआईएस | | कार्रवाई के दौरान शहीद हुए उन कार्मिकों को देय राज्य अनुग्रह राशि जो उस राज्य के नहीं है |
|---|---|---|---|
| | **यदि शहादत शहीद के राज्य में कार्रवाई के दौरान हुई है।** | **यदि शहादत शहीद के राज्य से बाहर कार्रवाई के दौरान हुई है।** | |
| उत्तर प्रदेश | (1) अनुग्रह राशि राज्य सरकार की ओर से रु0 25 लाख – कार्रवाई में मारे जाने पर<br><br>(2)अनुग्रह राशि/ मुआवजा उ0 प्र0 पुलिस एवं सशस्त्र बल सहायता संस्थान की ओर से<br><br>(i) रु0 6 लाख – शहीद* होने के मामले में (रु0 2 लाख – उत्तराधिकारी के लिए, *रु0 2 लाख – माता–पिता के लिए, रु0 2 लाख – उत्तराधिकारी को तीन साल की सावधि जमा के रूप में)<br><br>(ii) रु0 3 लाख – अशक्तता होने पर | (1) अनुग्रह राशि राज्य सरकार की ओर से रु0 25 लाख – कार्रवाई में मारे जाने पर<br>(2)अनुग्रह राशि/ मुआवजा उ0 प्र0 पुलिस एवं सशस्त्र बल सहायता संस्थान की ओर से<br><br>(i) रु0 6 लाख – शहीद* होने के मामले में *(रु0 2 लाख – आश्रित के लिए, रु0 2 लाख – माता–पिता के लिए, रु0 2 लाख आश्रितों को तीन साल की सावधि जमा के रूप में)<br><br>(ii) रु0 3 लाख – अशक्तता होने पर | (1) अनुग्रह राशि राज्य सरकार की ओर से रु0 25 लाख – कार्रवाई में मारे जाने पर<br><br>(2)अनुग्रह राशि/ मुआवजा उ0 प्र0 पुलिस एवं सशस्त्र बल सहायता संस्थान की ओर से<br><br>(i) रु0 6 लाख – शहीद* होने के मामले में *(रु0 2 लाख – आश्रित के लिए, रु0 2 लाख – माता–पिता के लिए, रु0 2 लाख आश्रितों को तीन साल की सावधि जमा के रूप में)<br><br>(ii) रु0 3 लाख – अशक्तता होने पर |

| | | | |
|---|---|---|---|
| उत्तराखण्ड | अनुग्रह राशि– रु0 10 लाख –<br><br>(i) (विवाहित मृत कार्मिक के मामले में<br><br>(रु0 6 लाख – मृतक की पत्नी के लिए एवं रु0 4 लाख मृतक के माता–पिता के लिए)<br><br>(ii) पत्नी और माता–पिता जीवित नहीं रहने की स्थिति में रु0 10 लाख की राशि उनके बच्चों में<br><br>(iii) अविवाहित मृतक के मामले में – रु0 10 लाख – मृतक के माता–पिता के लिए | अनुग्रह राशि– रु0 10 लाख<br><br>(i) विवाहित मृत कार्मिक के मामले में<br><br>(रु0 6 लाख मृतक की पत्नी के लिए एवं रु0 4 लाख मृतक के माता–पिता के लिए)<br><br>(ii) पत्नी और माता–पिता जीवित नहीं रहने की स्थिति में रु0 10 लाख की राशि उनके बच्चों में बराबर बाँटी जाएगी।<br><br>(iii) अविवाहित मृतक के मामले में – रु0 10 लाख मृतक के माता–पिता के लिए | अनुग्रह राशि– रु0 10 लाख –<br><br>(i) विवाहित मृत कार्मिक के मामले में<br><br>(रु0 6 लाख – मृतक की पत्नी के लिए एवं रु0 4 लाख मृतक के माता–पिता के लिए)<br><br>(ii) पत्नी और माता–पिता जीवित नहीं रहने की स्थिति में रु0 10 लाख की राशि उनके बच्चों में बराबर बाँटी जाएगी।<br><br>(iii) मृतक के मामले में – रु0 10 लाख मृतक के माता–पिता के लिए |

| राज्य का नाम | संबंधित राज्यों के कार्मिकों को उन राज्यों द्वारा दी जाने वाली अनुग्रहराशि एवं जीपीएआईएस | | कार्रवाई के दौरान शहीद हुए उन कार्मिकों को देय राज्य अनुग्रह राशि जो उस राज्य के नहीं है |
|---|---|---|---|
| | यदि शहादत शहीद के राज्य में कार्रवाई के दौरान हुई है। | यदि शहादत शहीद के राज्य से बाहर कार्रवाई के दौरान हुई है | |
| पश्चिम बंगाल (वामपंथी विरोधी गतिविधियों के दौरान सरकारी कर्त्तव्य का निर्वहन करते समय नक्सल प्रभावित जिलों में वीरगति प्राप्त करने पर–बांकुड़ा / पुरुलिया / पश्चिम मिदनापुर | i) अनुग्रह राशि – रु0 2 लाख<br>ii) रु0 3 लाख अनुग्रह राशि स0स0ख0 (एसआरई) योजना के तहत (केवल नक्सल / माओवादी प्रभावित जिलों के लिए)<br>iii) एस0आर0ई0 योजना के तहत जी0पी0ए0आई0एस 0 – रु0 10 लाख मृत्यु होने पर और रु0 5 लाख चोट / घायल होने पर (केवल माओवादी प्रभावित जिलों के लिए) | i) अनुग्रह राशि – रु0 2 लाख<br>ii) राज्य में देय अन्य कोई मुआवजा जो कि घटना के घटित होने के स्थान पर निर्भर करता है। | i) रु0 3 लाख की अनुग्रह राशि (एसआरई) योजना के तहत (केवल नक्सल / माओवादी प्रभावित जिलों के लिए)<br>ii) एस.आर.ई. योजना के तहत जी0पी0ए0आई0एस0 – रु0 10 लाख मृत्यु होने पर और रु0 5 लाख चोट / घायल होने पर (केवल माओवादी प्रभावित जिलों के लिए) |

## अध्याय–12
## विविध

**1. वीरता के लिए पुलिस पदक/ वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक एवं मरणोपरांत वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाली उनकी विधवाओं को तथा विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक प्राप्तकर्ता को मिलने वाली सुविधाएँ**

i. राष्ट्रपति के पुलिस पदक वीरता के लिए पदक भत्ता–रु0 6000/–दिनॉक–14/06/2018 से और वीरता के लिए पुलिस पदक हेतु रु0 2000/–

ii. वीरता पदक प्राप्तकर्ता एवं मरणोंपरांत वीरता पदक प्राप्त करने वाली उनकी विधवाओं को उनके एक साथी के साथ प्रथम श्रेणी /द्वितीय वातानुकूलित शयनयान में मानार्थ (कंपलीमेंटरी) कार्ड पास ।

iii. नगर निगम नई दिल्ली के दिनांक 14/2/2000 को आयोजित विशेष बैठक में पारित अपने संकल्प सं.471 के द्वारा कुछ निश्चित शर्तों के साथ वीरता के लिए पुलिस पदक प्राप्तकर्ता को उसकी स्वयं की संपत्ति हेतु गृह कर में छूट प्रदान की है।

iv. वित मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना संख्या एस0 ओ0 1048 (ई) दिनांक 24/11/2000 के तहत पुलिस वीरता पदक प्राप्तकर्ता को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 16 की उप धारा (18) के तहत आयकर से मुक्त रखा गया है।

v. इंडियन एयर लाइंस की किफायती श्रेणी में हवाई यात्रा करने पर 75 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

vi. पदक प्राप्तकर्ता को रियायती टेलीफोन सुविधा (भा0सं0नि0लि0) निवास स्थान पर लगने वाले टेलीफोन पर निम्नलिखित रियायतों के साथ दी जाएगी।

(a) विशेष श्रेणी – एन–ओ.वाई.टी. के तहत पंजीयन ।

(b) कोई पंजीयन शुल्क नहीं।

(c) कोई संस्थापन शुल्क नहीं।

(d) कोई किराया प्रभारित नहीं।

vii. ऐसे पुलिस कार्मिक जो 60 या इससे अधिक की उम्र के हैं तथा जिन्हें विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक एवं सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्राप्त हुआ है, उनमें पुरूषों के लिए रेल टिकट किराए में 50 प्रतिशत की छूट तथा महिलाओं के लिए 60 प्रतिशत की छूट क्रमशः 15/08/2009 एवं 01/09/2009 से प्रदान की गई है । यह छूट राजधानी/शताब्दी /जनशताब्दी ट्रेनों सहित मेल/ एक्सप्रेस ट्रेनों की सभी श्रेणियों के मूल किराए पर देय होगी। यह छूट गरीबरथ ट्रेनों में देय नहीं है।

## 2. <u>मेडिकल एवं दंत चिकित्सक कोर्स के लिए आरक्षण</u>

एम0बी0बी0एस0 कोर्स के लिए 15 सीटें एवं बी0डी0एस0 कोर्स के लिए 3 सीटें प्रत्येक वर्ष केन्द्रीय अर्ध सैनिक बलों के कार्मिकों के बच्चों के लिए योग्यता के आधार पर आरक्षित रखी गई हैं।

## 3. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कार्मिकों हेतु रेल कोचों को चिन्हित करना ।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कार्मिकों के लिए निम्नलिखित चार रेलगाडियों में ए.सी–3 टायर कोचों के लगाने और जारी रखने का अनुमोदन गृह मंत्रालय ने दिया है :–

| क्रम सं | ट्रेन नं | ट्रेन का नाम | कहां से | कहां तक | कोच लगाने की तिथि | कोच की संख्या | अर्थ | प्रमुख स्टेशन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 15909 / 15910 | अवध असाम एक्सप्रेस (प्रतिदिन) (दोनो ओर) | डिब्रूगढ वाया गुवाहाटी | लालगढ (बीकानेर) | 17.03.2018 | 1 | 64 | डिब्रुगढ, गुवाहाटी, ,एनसी.बी, एन.जे.पी, कटिहार, बरौनी, मुजफ्फरपुर छपरा, सिवान, गोरखपुर, लखनऊ, हापुड़, पुरानी दिल्ली, जींद, भटिंडा, सूरतगढ, बीकानेर |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 13151 / 13152 | **कोलकाता जम्मूतवी एक्सप्रेस (प्रतिदिन) (दोनो ओर)** | कोलकाता | जम्मूतवी | 25.01.2018 | 1 | 64 | कोलकाता,आसन सोल, धनबाद, गया, मुगलसराय, बनारस, फैजाबाद, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, रूड़की, सहारनपुर, अंबाला, जालंधर चक्की बैंक, जम्मूतवी |
| 3 | 16031 / 16032 | **अंडमान एक्सप्रेस (मंगल, शुक्र, शनि) (दोनो ओर)** | कटरा जम्मू तवी | चैन्नई | 01.03.2018 | 1 | 64 | जम्मू, जालंधर, नरवाना, रोहतक, बहादुरगढ़, नई दिल्ली, आगरा, ग्वालियर, झांसी, भोपाल, इटारसी, विजयवाडा, नैल्लूर, चैन्नई |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 16687 / 16688 | **नवयुग एक्सप्रेस (बृहस्पति) (दोनो ओर)** | जम्मू तवी | मंगलोर | 05.03.2018 | 1 | 64 | जम्मु, जालंधर, नरवाना, रोहतक, बहादुरगढ़,नई दिल्ली, आगरा, ग्वालियर झांसी,भोपाल, इटारसी, विजयवाडा, नैल्लूर, मैंगलोर |

## 4. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कार्मिकों हेतु एयर कोरियर की सुविधा

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए विभिन्न सेक्टरों में एयर कोरियर की सुविधा उपलब्ध है। हवाई अड्डों से समन्वय के लिए निम्नलिखित नोडल एजेंसी हैं:–

| क्रम सं | रूट | दौरे | स्थान | नोडल एजेंसी | नोडल अधिकारी | संपर्क न |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | **कोलकाता–अगरतला–कोलकाता** | **5 दिन (सोम,मंगल, बृहस्पति, शुक्र एवं रवि)** | कोलकाता | बी.एस.एफ | श्री श्यामबीर सिंह, सहा. कमा, (प्रशा) | 8840552386 |
| | | | अगरतला | बी.एस.एफ | श्री मोहित पुंढीर, द्वि.कमान अधिकारी, (संभरण ) | 9547423145 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | **कोलकाता–सिलचर–कोलकाता** | **पाक्षिक (शनि)** | सिलचर | बी.एस.एफ | श्री अत्तर सिंह, उप. कमांडेंट, (क्यूएम), 53 बटा. | 9464855870 |
| 3 | **कोलकाता–इंफाल–कोलकाता** | **3 दिन (सोम, बुध शनि)** | इंफाल | ए. आर | श्री पी.के गुप्ता, सहायक कमाडेंट | 9402816847 |
| 4 | **कोलकाता–आईजोल–कोलकाता** | **1 दिन (शनि)** | आईजोल | ए. आर | श्री रोशन लाल, सहायक कमाडेंट | 7085163883 |
| 5 | **दिल्ली–लेह –दिल्ली** | **2 दिन (बुध, शनि )** | दिल्ली | आई.टी.बी.पी | श्री मनोज कुमार, उप.कमा, उ.नि. राजबीर सिंह | 9968711036<br>9953505715<br>9968680105 |
| | | | लेह | आई.टी.बी.पी | श्री रविकांत गौतम, द्वि. कमा. अधिकारी | 9650722700 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6. | **दिल्ली –जम्मू– श्रीनगर– जम्मू– दिल्ली** | **6 दिन (रवि, सोम, मगल, बुध, बृहस्पति और शनि)** | दिल्ली | बी.एस.एफ | श्री वीरेन्द्र सिंह सहा कमा., 25 बटा. | 828593119 |
| | | | जम्मू | के.रिपु.बल | श्री ए. वी चौहान, पु.म.नि | 0191– 2597702 |
| | | | | | श्री दीपक चौधरी, सहा. कमा 166 बटा. | 9419217340 |
| | | | | | श्री ए. के झा, कमाडेंट | 9419217336 |
| | | | श्रीनगर | के.रि.पु.बल | श्री राजीव कुमार, कमाडेंट 35 बटा. | 0194– 233519 |
| | | | | | श्री पी. के. त्रिपाठी, कमाडेंट, 25 बटा. | 9419217580 |
| | | | | | श्री संजीत यादव, सहायक कमाडेंट | 8825071001 |
| 7 | **दिल्ली– डिब्रुगढ– गुवाहाटी– दिल्ली** | **2 दिन (बुध, शनि )** | दिल्ली | बी.एस.एफ | श्री वीरेन्द्र सिंह सहायक कमांडेंट, 25 बटा. | 8285931119 |
| | | | डिब्रूगढ़ | आई.टी.बी.पी | श्री अश्विनी कुमार डोगरा, उप महानिरीक्षक | 0373–2382311 /2382313 (फैक्स) |
| | | | गुवाहाटी | बी.एस.एफ | श्री मो. जमील खान, उप. कमा (प्रशा) | 8403932609 |

**5. <u>आश्रित पहचान पत्र</u>**

केरिपुबल ने बल के कार्मिको के उन आश्रितो बच्चो को आश्रित प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अभियान चलाया है जो बल के कार्मिको के तैनाती स्थल से अन्यत्र निवास कर रहे है। यह कार्ड बल के कार्मिको को आवश्यकता के समय केरिपुबल से चिकित्सा, शिक्षा, कैन्टीन सुविधाए आदि प्राप्त करने में सहायक होगा । यह कार्ड निशुल्क जारी किया जायेगा । कार्ड को बनाने मे होने वाले खर्च का वहन यूनिट कल्याण निधि एवं केन्द्रीय कल्याण निधि से संयुक्त रूप किया जायेगा ।

**6. <u>देश की सेवा हेतु प्राण न्यौछावर करने वाले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल/ केंद्रीय पुलिस बल के दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों को परिचालनिक ''कैज्युलिटी प्रमाण पत्र'' जारी करने बावत</u>**

गृह मंत्रालय के दिनांक 09.10.2017 के कार्यालय ज्ञापन सं 27011/68/2015– आर एवं डब्ल्यू के तहत देश की सेवा हेतु प्राण न्यौछावर करने वाले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों / केंद्रीय पुलिस बलों के दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों को **'<u>परिचालनिक कैज्युलिटी प्रमाण पत्र</u>'** जारी करने बावत अनुमोदन प्रदान किया गया है। **<u>परिचालनिक कैज्युलिटी प्रमाण पत्र</u>'** जारी करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा :–

(क) संबंधित बल की ईकाई के द्वारा अदालती जाँच की कार्यवाही पूर्ण करने के उपरांत, बोर्ड प्रोसिडिंग्स को फ्रंटियर मुख्यालय को प्रेषित किया जाएगा जोकि ऐसी मृत्यु को '**परिचालनिक कैज्युलिटी**' के रूप में घोषित किए जाने हेतु महानिदेशक महोदय के अनुमोदन के लिए भेजेंगे।

(ख) महानिदेशक महोदय के अनुमोदन के उपरांत, संबंधित मुख्यालय निर्धारित प्रोफार्मा में वांछित विवरण आवश्यक दस्तावेजों के साथ अग्रेषित करेंगें। महानिदेशक महोदय ''परिचालनिक कैज्युलिटी प्रमाण पत्र'' के निर्धारित प्रपत्र पर हस्ताक्षर करेंगे।

*****

## अध्याय–13

## बल के जवानों एवं दिवंगत कार्मिकों के उत्तराधिकारियों द्वारा आर्थिक योजना बनाना

बल का प्रत्येक सेवारत कार्मिक केंद्र/राज्य सरकार/बैंक/पोस्ट आफिस/बीमा कंपनियों के द्वारा सुलभ करवाए जा रहे स्कीमों के बारे में भली–भांति अवगत हों एवं अपनी आय को उन स्कीमों में सुनियोजित ढंग से अपने उज्ज्वल भविष्य हेतु निवेश करें। ग्रुप केंद्रों/यूनिट के कल्याण अधिकारियों को पहले ही निदेशित किया जा चुका है कि वे केंद्र/राज्य सरकार/बैंक/पोस्ट आफिस/बीमा कंपनियों के द्वारा सुलभ करवाए जा रहे स्कीमों के बारे में भली–भांति अवगत हों तथा वे कार्मिकों को सुनियोजित ढंग से अपनी वित्तीय स्थिति की योजनाएं बनाने हेतु परामर्श दें। यद्यपि कार्मिकों द्वारा सुनियोजित ढंग से अपनी वित्तीय स्थिति की योजनाएं बनाने हेतु कुछ मार्गदर्शी बिंदुओं को नीचे दिया जा रहा है:–

1. प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आय/वेतन के आधार पर अपना बजट बनाना चाहिए जो कि उसे अपने आय/वेतन से कम खर्च करने के लिए सहायक होगा। एक बार बजट बन जाने के बाद हमारी आय और व्यय की स्थिति स्पष्ट हो जाती है। इससे हमारा एक–एक पैसा कहां खर्च हो रहा है उसकी जानकारी मिल जाती है।

2. यदि व्यक्ति अपनी अच्छी आर्थिक स्थिति पाना चाहता है तो, वह अपने वित्तीय विषयों हेतु अलग से एक फाईल/ फोल्डर खोल ले जिसमें लेखा एवं करों से संबंधित सभी विषयों के दस्तावेज सहेज कर रख सके।

3. व्यक्ति की कितनी भी आय हो, उस आय में से प्रतिमाह अनिवार्य रूप से थोड़ी बचत करें क्योंकि कहा गया है कि 'बूंद बूंद से ही सागर बनता है'।

4. अपना वित्तीय लक्ष्य स्पष्ट रूप से बनाएं। यदि हम अपना घर बनाने, अवकाश में कहीं पर घूमने जाने या अपनी स्वयं की गाड़ी खरीदने के लिए बचत करना चाहते हैं तो इन सब के लिए आपके कैरियर की शुरूआत ही अति उत्तम समय है।

5. क्रेडिट कार्ड एवं अन्य देनदारियों से बचें। ध्यान रहे कि ऋणों पर ब्याज की दरें काफी ज्यादा होती हैं और यदि आप सतर्क नहीं हों तो काफी बड़ी रकम देनी पड़ सकती है। देनदारियों को अतिशीघ्र चुकता करें और उन्हें बढनें न दें। क्रेडिट कार्डों के विषयों में सजग रहना होगा क्योंकि वे प्रारंभ में तो खर्च करने के लिए लुभाते हैं परंतु बाद में हमारी आर्थिक स्थिति पर भारी पड़ सकते हैं।

6. सुनियोजित बजट योजना में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हम लोग सामान्यतः किसी वस्तु के प्रति आकर्षित होकर उसे क्रय कर लेते हैं , वस्तुतः हमें उसकी कदापि आवश्यकता ही नहीं होती है। इस प्रकार के खर्चों से अपने आप को बचाए रखें।

7. कहीं पर हस्ताक्षर करने के पूर्व सजग रहे। किसी भी प्रकार के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के पूर्व उसे भली–भांति से पढ लें, चाहे वह कोई एग्रीमेंट या कांट्रेक्ट ही क्यों न हो। हमें यह मालूम नहीं होता कि मध्य की लाईनों में क्या लिखा हुआ है। यदि हमने इस पहलू पर ध्यान नहीं दिया तो हम बड़ी कठिनाई में पड़ सकते हैं।

8. कोई भी ऐसा कार्य न करें जिसकी लत लग जाए, जोकि हमें बाद में बर्बाद कर दे। यहां पर जुआ, नशीले पदार्थों का सेवन, धूम्रपान के बारे में सचेत किया जा रहा है, जोकि स्वास्थ्य के साथ साथ आपके धन को भी नष्ट कर देगा।

9. अपने पैसे को बिना किसी उपयोग के ऐसे ही न रहने दें जबकि इसको कुशलता से उपयोग करके इसे कई गुणा अधिक बढ़ाया जा सकता है। एजेंटों से बात करें और अच्छे निवेश पर कार्य करें जोकि अधिक आय आपकी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रदान कर सकें। इस प्रकार से हमारा धन ही हमारे लिए और अधिक धन अर्जन का काम करेगा और वो मात्र बचत खाते में ऐसे ही नहीं पड़ा रहेगा।

10. किसी भी अनजानें एजेंटों के झांसे में न आए और न ही उनके वादों में फंसे कि आपकी राशि बहुत ही कम समय में दुगनी हो जाएगी। ऐसे छलावा देने वाले आर्थिक निवेश में वे तो अपना मोटा कमीशन ले लेंगे जबकि आपकी गाढे खून–पसीने की कमाई डूब जाएगी।

11. उचित एवं गहरी छानबीन तथा जानकारी के बिना कहीं सीधे निवेश न करें। यदि आप निवेश करना चाहते हो तो बाजार की स्थिति समझकर, आश्वस्त होने पर ही अगला कदम उठाएं।

12 अंदाजा लगाकर उसके आधार पर निवेश करने का जुआ खेलने की प्रवृत्ति से बचें। जब कभी हम यह सुनते हैं या पता लगता है कि कहीं पर निवेश पर अच्छे रिटर्न की संभावना है, तो स्वाभाविक रूप से हमारा झुकाव उधर हो जाता है परंतु याद रखें कि यदि वह बाद में खराब होता है तो हमारा निवेश डूब जाता है।

13. जब हम बाजार को पढ़ने की परख रखते हैं तो अपनी सामान्य बुद्धि एवं अनुभव का प्रयोग करते हुए ठोस संस्थाओं में जिनका मूल्य ऊपर उठान पर हो, उनमें ही निवेश करें। कुछ फर्मों में असामान्य उछाल रहता है लेकिन हमेशा याद रखें कि बाजार में सुधार भी आता है और जो असामान्य उछाल होती है वह अपने आप नीचे आ जाती है। अतएव अपने निवेश को विभिन्न माध्यमों में सही समय पर करें ताकि कभी भी पछतावा न करना पड़े।

14. यदि कोई शंका हो, तो हमेशा विशेषज्ञों से राय लें।

15. वित्तीय लेनदेन के बारे में जागरूक रहें और यह जानकारी में रखें कि इनके लेनदेन में कितनी फीस आदि दी जा रही है। इससे हमें खर्चीले निर्णय लेने से बचाव होगा जोकि हमारी आर्थिक स्थिति को शिथिल होने से बचाएगा।

इसके अतिरिक्त ग्रुप केंद्र/यूनिटों के कल्याण अधिकारी, बल के दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों/परिजनों को सलाह दें कि वे अपने प्राप्त धन का विभिन्न स्कीमों में उनकी अपनी जवाबदारियों एवं बच्चों के भविष्य को देखते हुए निवेश करें ताकि उसमें कोई कमी न हो और उनके भविष्य के साथ ही धन में वृद्धि भी हो और वह सुरक्षित भी रहे।

ग्रुप केंद्रों/यूनिटों के कल्याण अधिकारी, केंद्र/राज्य सरकार/बैंक/पोस्ट आफिस/बीमा कंपनियों के द्वारा सुलभ करवाई जा रही स्कीमों के बारे में भली–भांति अवगत रहें और सुलभ चार्ट बनाकर रखें ताकि वे इससे सेवारत कार्मिकों के साथ ही साथ दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों/परिजनों को भी सुनियोजित ढंग से अपनी वित्तीय स्थिति की योजनाएं बनाने हेतु सलाह दे सकें।

*****